

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत और पोलैंड वैश्विक विकास के महत्वपूर्ण केंद्र: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच गुरुवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, व्यापार और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2024 में उनकी पोलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था और पिछले दो वर्षों में इस साझेदारी को नई गति मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड की मित्रता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता और संवेदना की साझी विरासत पर आधारित है। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि उस कठिन दौर में जामनगर और कोल्हापुर के शाही



परिवारों ने हजारों पोलिश बच्चों और परिवारों को भारत में शरण देकर दोनों देशों के बीच मानवीय संबंधों को और मजबूत किया था। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया इस समय अनिश्चितताओं और बदलावों के दौर से गुजर रही है, ऐसे समय में भी भारत और पोलैंड दोनों विकास, प्रौद्योगिकी और नवाचार

को महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने पोलैंड की अर्थव्यवस्था के एक ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के ऐतिहासिक स्तर को पार करने पर प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क को बधाई दी। मोदी ने आगे कहा, वहीं भारत ने भी पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की शानदार

ग्रोथ दर्ज की है। हमारी बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत-पोलैंड साझेदारी में नए अवसर पैदा किए हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने भारत और पोलैंड के बीच आर्थिक साझेदारी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने कहा कि समझौता लागू होने के बाद मशीनरी, रसायन, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों के लिए पोलैंड का बाजार और अधिक खुल जाएगा। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत पोलैंड की कंपनियों को इन क्षेत्रों में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए आमंत्रित करता है।

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से मिले पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क

नई दिल्ली। पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। बैठक से पहले दोनों ने एक दूसरे का गर्मजोशी से एक दूसरे का अभिवादन किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती तकनीक पर चर्चा होगी। दोनों नेता आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत-पोलैंड संबंधों को और मजबूत करने और नए अवसरों की तलाश करने पर चर्चा होगी। इससे पहले, टस्क ने नई दिल्ली के राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी प्रधानमंत्री टस्क से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से मिलकर खुशी हुई। भारत-पोलैंड के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर उनके विचारों की सराहना करता हूँ। हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात का इंतजार है।

चंडीगढ़-हरिद्वार के बीच एचवीएसी बस सेवा से यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा, आज से आरंभ होगी बस सेवा-अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश सरकार यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में चंडीगढ़ और हरिद्वार के बीच एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन एवं एयर कंडीशनिंग) बस सेवा की शुरुआत आज से होगी और निर्धारित समय-सारिणी यात्रियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस बस सेवा से चंडीगढ़, अंबाला, यमुनानगर, सहरानपुर, रुड़की और हरिद्वार के बीच आवागमन करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि बस सेवाओं की समयबद्धता और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शहरों से बस के प्रस्थान और गंतय तक पहुंचने का समर्थ निधिर्भर किया गया है। इससे यात्रियों को अपनी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी। निर्धारित समय-सारिणी के

अनुसार, चंडीगढ़ से हरिद्वार जाने वाली बस चंडीगढ़ से सुबह 9.08 बजे रवाना होगी। इसके बाद बस अंबाला से सुबह 10.40 बजे, यमुनानगर से दोपहर 12.00 बजे, सहरानपुर से दोपहर 12.50 बजे तथा रुड़की से दोपहर 1.55 बजे रवाना होगी। बस के हरिद्वार पहुंचने का निर्धारित समय दोपहर 2.40 बजे है। इसी प्रकार, वापसी में हरिद्वार से चंडीगढ़ जाने वाली बस हरिद्वार से दोपहर 3.50 बजे, रुड़की से शाम 4.40 बजे, सहरानपुर से शाम 5.50 बजे, यमुनानगर से शाम 6.40 बजे तथा अंबाला कैंट से शाम 7.50 बजे रवाना होगी। बस के चंडीगढ़ बस स्टैंड पहुंचने का निर्धारित समय रात 9.00 बजे है। अनिल विज ने कहा कि बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था न केवल यात्रियों को सुविधाजनक साफल उपलब्ध करवाती है, बल्कि विभिन्न शहरों के बीच संपर्क को भी मजबूत बनाती है।

हरियाणा में ऐतिहासिक स्थानों का बनाएंगे नया कॉरिडोर आमजन को करेंगे जागरूक-नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में अनेक ऐसे ऐतिहासिक स्थान हैं जो हमारे गौरवशाली इतिहास और पूर्वजों के संघर्ष के परिचायक हैं। प्रदेशवासियों को इनसे रूबरू करवाने के लिए हरियाणा में ऐतिहासिक स्थानों का नया कॉरिडोर बनाया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले वीरों की कहानियों की जानकारी मिल सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश बृहस्पतिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक के अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने पर्यटन विभाग की कार्यणाली में और अधिक सुधार करने तथा हरियाणा को टूरिज्म हब बनाने के संबंध में अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने



कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा भारत की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष की पीढ़ियों को राष्ट्र के चले-चपे में बिखरी हुई है। सन् 1857 में आजादी की पहली लड़ाई अंबाला कैंट से शुरू हुई जिसके प्रति जन-जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा अंबाला कैंट में विशाल एवं भव्य शहीद स्मारक बनाया गया है। इसमें दर्शाए गए स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित सभी स्थान आज भी अंबाला व अन्य जिलों में मौजूद हैं जिन्हें न केवल संरक्षित करने की जरूरत है बल्कि इन्हें इस प्रकार विकसित करके एक नया कॉरिडोर भी बनाने की आवश्यकता है जिससे आमजन हरियाणा के इतिहास

से परिचित हो सके। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को व्यापक कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने प्रदेश की प्राचीन सभ्यता, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2047 के विजन के पहत पांच वर्षीय कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य हरियाणा की लगभग 10 हजार सरकारी प्राचीन विरासत की खोज, संरक्षण और प्रचार के साथ प्रदेश को सांस्कृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। योजना के तहत प्रदेश में पुरातात्विक स्थलों की वैज्ञानिक खुदाई, ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार, संग्रहालयों का आधुनिकीकरण और आमजन की

भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रदेश में वर्ष 1972 से 2025 के बीच 9 स्थलों पर पुरातात्विक खुदाई की गई है। विभाग द्वारा भविष्य में 21 नए स्थलों पर खुदाई की जाएगी। पहले चरण में 2026-27 के दौरान हिसार जिले के सीसवाल में खुदाई की योजना है। इसके बाद खरड़ अलीपुर में दो चरणों में खुदाई की जाएगी। वर्ष 2029-31 के दौरान बालु, जोना खेड़ा, तिगड़ाना और राखीगढ़ी में से पुरातात्विक प्राथमिकता के आधार पर स्थलों का चयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 72 संरक्षित स्मारकों की संख्या को वर्ष 2031 तक 120 से अधिक किया जाए। ऐतिहासिक किलों, प्राचीन बावड़ियों, मंदिरों और हवेलियों की पहचान, दस्तावेजीकरण तथा वैज्ञानिक संरक्षण किया जाए।

हरियाणा भाजपा का तीन महीने का लक्ष्य हर बूथ पर 11 सदस्यीय समिति और पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति

पंचकुला। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने के लिए आगामी तीन महीनों में प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर 11 सदस्यीय समिति के गठन एवं पुनर्गठन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही प्रत्येक बूथ पर पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी जिलों में प्रवास कर कार्यक्रमों से सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान रात्रि प्रवास भी किया जाएगा, ताकि संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से संपर्क मजबूत हो सके। वीरवार को भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा प्रदेश प्रभारी स्मृति तथा राष्ट्रीय सचिव एवं सांसद डॉ. भोला सिंह के दो दिवसीय हरियाणा प्रवास के तहत प्रदेश कार्यालय पंचकुलम पहुंचने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पञ्चमुख शेंट कर उनका स्वागत किया। पहले दिन हुई संगठनात्मक बैठकों में बूथ सशक्तिकरण, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त व्यक्तियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।



बैठकों की अध्यक्षता कर रही भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में प्रवास और संगठनात्मक कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले दिन राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन राणा तथा प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा, सत्यप्रकाश जरावाल और वेद फुल्ल के साथ बैठक की। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों तथा सभी जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों ने साथ अलग-अलग संगठनात्मक बैठकें हुईं। इनमें संगठन की मजबूती और आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना को लेकर मार्गनिर्देश दिया गया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि बूथ समितियों के गठन एवं पुनर्गठन और पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति

के लिए प्रदेश पदाधिकारियों, प्रदेश महामंत्रियों और जिला प्रभारियों के नियमित प्रवास सुनिश्चित किए जाएंगे। इन प्रवासों में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद, बूथ स्तर की स्थिति की समीक्षा और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारी जिलों में रात्रि प्रवास भी करेंगे। इस दौरान वरिष्ठ और पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उनके अनुभवों का लाभ संगठन को दिलाने पर जोर रहेगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को कोई न कोई जिम्मेदारी मिले और संगठन के प्रत्येक कार्य के लिए जिम्मेदार कार्यकर्ता तय हो। इससे संगठनात्मक गतिविधियों में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता बढ़ेगी। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पंचमुख शेंट और हरियाणा सरकार की गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त व्यक्तियों तक पहुंचाने में भी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उनको शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी प्रशासनिक समझ ने भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। माओवाद के खतरे को खत्म करने और नशामुक्त समाज के हमारे सपने को आगे बढ़ाने में मिली सफलताएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें लोगों की सेवा में एक लंबा और स्वस्थ जीवन मिले। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गृह मंत्री को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे साथी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और सहकारिता क्षेत्र को नई गति देने में अमित शाह पूरे मनोयोग और कर्मठता के साथ काम

कर रहे हैं। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने के साथ-साथ राष्ट्रसेवा में उनकी निरंतर सक्रियता की ईश्वर से कामना करता हूं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, केंद्रीय कैबिनेट में मेरे साथी गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने एक्स पर लिखा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आपके द्वारा ‘नक्सल मुक्त भारत’ का संकल्प साकार होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2029 तक ‘नशा मुक्त भारत अभियान’ का लक्ष्य हमारे देश की युवा पीढ़ी को नशे से बचाने की आपकी दूरदर्शिता को दर्शाता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि जन-सहभागिता से यह संकल्प भी अवश्य सिद्ध होगा।

सतीश कुमार, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम में भाग लिया

दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे द्वारा दिल्ली मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ‘रेल जन संवाद’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार पाण्डेय, श्री पुष्पेश रमण त्रिपाठी तथा रेलवे बोर्ड एवं उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यात्रियों और आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को समझने के उद्देश्य से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान श्री सतीश कुमार ने यात्रियों को भारतीय रेल द्वारा स्टेशन की स्वच्छता बढ़ाने, सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, यात्री



सुविधाओं में सुधार करने तथा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। यात्रियों को स्टेशन की स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित अपनी प्रतिक्रियाएं, सुझाव और समस्याएँ साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों ने यात्रियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना। यह पहल यात्री-केंद्रित सेवाएँ प्रदान करने, जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करने तथा सुविधाओं में निरंतर सुधार के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने वहां मौजूद

अधिकारियों, कर्मचारियों और यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीस स्वच्छग्रहियों को स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय काम करने के लिए सम्मानित किया गया। स्टेशन परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक नुकड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। यह पहल रेलवे प्रशासन और यात्रियों के बीच संवाद को सुदृढ़ करने, स्टेशन की स्वच्छता बनाए रखने में जनभागीदारी को बढ़ावा देने तथा स्टेशन के रखरखाव के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करने का एक प्रभावी माध्यम बनी। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ, कुशल और यात्री-अनुकूल रेलवे स्टेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यात्री संतुष्टि, जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक हैं।

दिल्ली के एमसीडी सदन में आप-कांग्रेस पार्षदों के बीच हंगामा, मेयर का माइक छीनने का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सदन में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान हंगामा हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि मेयर प्रदेश वाही का माइक्रोफोन तक छीनने की कोशिश की गई। यह हंगामा आप और कांग्रेस के पार्षदों के बीच बहस से शुरू हुआ। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेता नाजिया दानिश और आप पार्षद शगुफ़ा जुबैर चौधरी के बीच उनके फंड के विकास और फंड के बंटवारे से जुड़े मुद्दों पर बहस हुई। आम आदमी पार्टी के मुताबिक दानिश ने कथित तौर पर शगुफ़ता जुबैर चौधरी के खिलाफ गाली-गलौज की और पर्सनल बातें कहीं, जिन्होंने अपने इलाके के लोगों के अधिकारों की रक्षा और विकास पक्का करने के लिए फंड की मांग की थी। इस बहस के बाद आप पार्षद पोड्डियम पर चढ़ गए और मेयर का माइक्रोफोन छीनकर तोड़ दिया। उन्होंने हाउस के अंदर मेयर प्रवेश वाही और कांग्रेस नेता नाजिया दानिश

से माफ़ी मांगने की भी मांग की। आप ने BJP की अगुवाई वाली एमसीडी पर उन पार्षदों को चुप कराने की कोशिश करने का आरोप लगाया जो जनता की शिकायतें उठाते हैं और अपने इलाकों के लिए विकास फंड की मांग करते हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि लोगों के अधिकारों और विकास से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय एमसीडी चुने हुए प्रतिनिधियों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। इस घटना से कमेटी मीटिंग के दौरान भारी हंगामा हुआ, जिससे पार्षदों के बीच तनाव बढ़ने से कार्यवाही में रुकावट आई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मेयर की कुर्सी के पास चले फेंके जाने की भी बात सामने आई है। हालांकि इसके बाद महापौर ने सदन का एजेंडा पास कराया और बैठक स्थगित कर दी गई। आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधा है।

जबलपुर रेल मंडल क्षेत्र के सांसदों के साथ महाप्रबंधक की बैठक सम्पन्न

नई ट्रेनों, ठहराव, स्टेशन पुनर्विकास एवं रेल अधोसंरचना के विकास पर सांसदों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक के साथ जबलपुर रेल मंडल क्षेत्र के माननीय सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को आयोजित की गई। माननीय सांसद श्री गणेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न इस बैठक में यात्री सुविधाओं के विस्तार, नई रेल सेवाओं, ट्रेनों के ठहराव, स्टेशन पुनर्विकास, रेलमार्गों के निर्माण तथा रेल सुरक्षा एवं अधोसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सांसद सतना श्री गणेश सिंह, सांसद रीवा श्री जनार्दन मिश्रा, सांसद जबलपुर श्री आशीष दुबे, सांसद सागर श्रीमती लता वानखेडे, सांसद नर्मदापुरम श्री दर्शन सिंह चौधरी, सांसद सीधी डॉ. राजेश मिश्र, सांसद दमोह श्री राहुल सिंह लोधी तथा राज्यसभा

सांसद श्रीमती माया नारोलिया उपस्थित रही। अन्य सांसदों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने सभी माननीय सांसदों का स्वागत किया। उन्होंने सबसे तकनीकी, अमृत भारत स्टेशन योजना तथा ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन सहित विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं की जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक श्री कर्मल कुमार तरेलजा ने पावर

पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जबलपुर मंडल में संचालित विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। सांसदों ने क्षेत्रीय रेल विकास एवं यात्री सुविधाओं के विस्तार पर दिए सुझाव सांसद रीवा श्री जनार्दन मिश्रा ने रीवा स्टेशन पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने, ट्रेनों के ठहराव सुनिश्चित करने, पिपरिया में रिटायरिंग रूम उपलब्ध कराने तथा रौड ओवरब्रिज एवं रौड अंडरब्रिज संबंधी कार्यों में तेजी लाने की बात कही।

तिब्बत में हिली धरती, 7 तीव्रता का भूकंप; यहीं से आई थी नेपाल में विनाशकारी बाढ़

नई दिल्ली। तिब्बत में 7.0 की तीव्रता से भूकंप आया है। शुरुआत में इसका केंद्र 173 किमी अंदर बताया जा रहा था। तिब्बत हाल में आई जानकारी के मुताबिक इसका केंद्र जमीन से केवल 10 किमी की गहराई पर था। बता दें, यह वही इलाका है, जहां से ग्लेशियर फटने के बाद तिब्बत और नेपाल में भीषण बाढ़ आई थी। इस बाढ़ की वजह से हजारों की संख्या में लोगों की मौत हो गई थी। चाइना अर्थक्रेक नेटवर्कस सेंटर (CENC) ने बताया कि यह भूकंप स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10-33 बजे उत्तरी तिब्बत के नागकू इलाके में आया। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय इलाकों में भूकंप के झटके साफ महसूस किए गए। इसका केंद्र तिब्बत की राजधानी ल्हासा से लगभग 400 किमी दूर था। अभी तक इस भूकंप की वजह से किसी बड़ी दुर्घटना की रिपोर्ट सामने नहीं आई है। तिब्बत के पर्वतीय क्षेत्र में अभी कुछ हफ्तों पहले

ही भूकंप की वजह से ग्लेशियर फट गया था। इससे कुछ ही घंटों में कई किलोमीटर का एरिया पानी में समा गया था। तिब्बत और नेपाल बॉर्डर पर मौजूद वीजा सेंटर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया था। इसके आगे इस पानी ने नेपाल में अपने रास्ते में आने वाले हर चीज को डूबा दिया। अभी तक इस हादसे में आधिकारिक रूप से 1400 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की पुष्टि की जा चुकी है। इसके अलावा कई लोग अभी भी लापता हैं। इन लापता लोगों के बारे में नेपाल के पीएम बालेन शाह ने भी कहा था कि अब शायद इनका कभी पता ही नहीं चलेगा। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को आचानक आई बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के शहरों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई थी। चीनी मीडिया के अनुसार, इस आपदा में तिब्बत में भी 43 लोगों की मौत हुई, जबकि 500 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

संपादकीय (उमेश कुमार तिवारी)

लद्दाख की ऊंचाइयों तक पहुंच गया पर्यावरण संकट

हिमालय की गोद में बसे लेह–लद्दाख के विशाल शीत मरुस्थल या हिम–मरु की निर्मल वादियों और पारदर्शी नीले आसमान को दुनिया भर में प्रकृति का एक अद्भुत वरदान माना जाता रहा है। समुद्र तल से लगभग साढ़े न्याारह हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इस दुर्गम क्षेत्र को कभी देश के सबसे स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त स्थलों में गिना जाता था। किंतु पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से पर्यटन के अभूतपूर्व विस्तार और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के कारण, लेह का पर्यावरण एक बड़े संकट की चपेट में आ गया है। यहां वायु गुणवत्ता बिगड़ने की सबसे बड़ी वजह सतही ओजोन का खतरनाक स्तर पर होना पाया गया है। ओजोन सीधे उत्सर्जित होने वाला प्रदूषक नहीं है, बल्कि यह एक द्वितीयक प्रदूषक है। लेह में वाहनों, डीजल जेनरेटरों, निर्माण–कार्यों और अपशिष्ट या कचरा जलाने से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनो–ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक तेज धूप व गर्मी के समय आपस में प्रकाश–रासायनिक प्रतिक्रिया करके जमीन के ठीक पास जहरीली ओजोन का निर्माण करते हैं। लेह की लगभग ३,५०० मीटर की ऊंचाई पर पराबैंगनी विकिरण बेहद तीव्र होता है, जो इन रासायनिक प्रतिक्रियाओं को कई गुना तेज कर देता है। इसके अलावा, ऊंचाई पर ओजोन को नष्ट करने वाली अन्य गैसों की सांद्रता कम होने से यह खतरनाक गैस लंबे समय तक वायुमंडल में बनी रहती है। वैज्ञानिक मॉडलिंग के अनुसार, पूरे हिमालय में ओजोन का १५ से १८ प्रतिशत हिस्सा दक्षिण एशिया से आता है, जबकि ३२ से ३७ प्रतिशत तक का योगदान अन्य क्षेत्रों से होता है। लेह में इस ओजोन और वायु प्रदूषण के बढ़ने के पीछे मानवीय दबाव और बुनियादी अवसंरचना में भारी वृद्धि का होना भी है। आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष २०२६ के पहले नौ महीनों, यानी जनवरी से सितंबर के दौरान ही ४,६०,६६७ पर्यटक लेह पहुंचे, जो वर्ष २०२५ के कुल ३,३५,८७२ पर्यटकों से लगभग ३७ प्रतिशत अधिक थे। केवल सितंबर २०२६ में ही ५५,५८२ पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में ६० प्रतिशत से अधिक हैं। लद्दाख टैक्सी ऑपरेटर यूनिन के तहत पंजीकृत टूरिस्ट टैक्सियों की संख्या छह हजार के पार पहुंच चुकी है, जो पिछले दशक की तुलना में तीन गुना से अधिक है। इसके अतिरिक्त, सीजन के दौरान चार से पांच हजार रेंटल मोटरसाइक्लि भी सड़कों पर उतरती हैं। दूरदराज के होटलों में भारी–भरकम डीजल जेनरेटरों का धुआं भी लगातार वातावरण को दूषित कर रहा है। अत्यधिक ऊंचाई होने के कारण लेह में वायुमंडल पहले से ही बहुत पतला है और वहां हवा में ऑक्सीजन का दबाव सामान्य मैदानों की तुलना में काफी कम होता है। जब इस ऑक्सीजन–विहीन हवा में ओजोन और ब्लैक कार्बन जैसे घातक तत्व मिल जाते हैं, तो यह मानव स्वास्थ्य के लिए दोहरा प्रहार बन जाता है। ओजोन एक तीखी और अत्यधिक प्रतिक्रियाशील गैस है, जो सांस लेते ही सीधे फेफड़ों के नाजुक ऊतकों पर हमला करती है। यह फेफड़ों में सूजन, सीने में जकड़न, लगातार खांसी, आंखों और गले में तीव्र जलन उत्पन्न करती है। जिन पर्यटकों या स्थानीय निवासियों को पहले से अस्थमा, ब्रॉकाइटिस या सांस की बीमारियां हैं, उनके लिए यह स्थिति जानलेवा बन सकती है। अधिक ऊंचाई पर शरीर को सामान्य गतिविधियों के लिए भी अधिक ऑक्सीजन चाहिए, परंतु दूषित हवा के कारण फेफड़ों की ऑक्सीजन सोखने की क्षमता घट जाती है, जिससे चक्कर आना, भारी थकान, तीव्र सिरदर्द और माउंटेन सिकनेस के गंभीर लक्षण तेजी से उभरने लगते हैं। स्पष्ट है कि लेह का नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र अपनी वहन क्षमता की अति पर है। यदि समय रहते लेह में डीजल वाहनों के अनियंत्रित प्रवेश, जेनरेटरों के स्थान पर सौर ऊर्जा के उपयोग और सतत पर्यटन नीतियों को कड़ाई से लागू नहीं किया गया, तो भारत की यह अनुपम धरोहर प्रदूषण की भेंट चढ़ जाएगी। लेह को बचाने के लिए केवल स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर भी उत्सर्जन नियंत्रण के ठोस उपाय अपनाने होंगे, ताकि इस महान शीत मरुस्थल के निर्मल पर्यावरण और वहां के जनजीवन की रक्षा की जा सके।

नई दिल्ली

न्याय की चौखट पर सियासत और संवैधानिक मर्यादा का संकट

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में १२ अक्टूबर २०२६ की तारीख एक ऐसी असाधारण और चिंतजनक घटना के रूप में दर्ज हो चुकी है, जिसने संवैधानिक संस्थाओं के बीच पारस्परिक सम्मान की सीमाओं को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के तमाम शीर्ष नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट परिसर तक निकाला गया विरोध मार्च सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वह न्याय की सर्वोच्च देहरी पर जन–दबाव बनाने का एक ऐसा अभूतपूर्व प्रयास था, जिसकी अनुमति हमारा संवैधानिक ढांचा कभी नहीं देता। १५ अक्टूबर २०२६ को इस संवेदनशील मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जय्यमात्य बागची की पीठ ने जो बेहद सख्त रुख अपनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र की आत्मा उसकी संस्थाओं की गरिमा और उनकी स्वतंत्रता में बसती है, न कि सड़कों पर उमड़ने वाली राजनीतिक भीड़ के कोलाहल में। अदालत का सुनवाई के दौरान यह कहना कि हम आइवरी टावर (हाथीदांत के मीनारों) में नहीं बैठे हैं, हमें सब पता है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं और कोर्ट के भीतर क्या कहा जा रहा है, देश के पूरे राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक गंभीर और ऐतिहासिक चेतावनी है। जब देश का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की नीति का की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के

संपादकीय

संख्याबल से तय होगा? यह संपादकीय इसी गहरे और गंभीर संवैधानिक संकट का आखिर विपक्ष के इस कदम के पीछे की राजनीति क्या है, न्यायपालिका की चिंताएँ कितनी जायज हैं और भारतीय लोकतंत्र को इस अभूतपूर्व संस्थागत टकराव से बचाने के लिए किस तरह के संतुलन की आवश्यकता है। इस पूरे विवाद की जड़ें किसी न्यायिक फैसले या अदालती आदेश में नहीं, बल्कि देश की चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी हैं। चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरु की गई स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआइएम के नेता असदुद्दीन औवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब १३ करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। विपक्ष इसे वोटों की चोरी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की एक सोची–समझी राजनीतिक साजिश करार दे रहा है। इसी के विरोध में पिछले सप्ताह दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जहां पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम किया था। राजनीतिक रूप से चुनाव आयोग के फैसलों का विरोध करना और उस पर सवाल उठाना विपक्ष का न सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि उसका का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की नीति की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के

रजिस्ट्री पर दबाव बनाने की कोशिश की, उसने देश के जागरूक वकीलों और नागरिकों को हेराकत दिया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े करीब २०० वकीलों ने तत्काल इस घटना का संज्ञान लिया और पत्र लिखकर इस बात पर गहरी चिंता जताई कि देश की सर्वोच्च अदालत को राजनीतिक शक्ति–प्रदर्शन का अखाड़ा बनाया जा रहा है। जब यह पूरा मामला १५ अक्टूबर को सुनवाई के लिए आया, तो मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ का रुख बेहद कड़ा और मुखर था। कोर्ट ने दो अलग–अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की—पहली याचिका विपक्ष की वह मूल याचिका थी जिसमें चुनाव आयोग की स्वरूपक्र्रिया को चुनौती दी गई थी; और दूसरी याचिका उन वकीलों की थी जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट परिसर के भीतर राजनीतिक रैलियों, नारेबाजी, और राजनीतिक प्रेस कॉन्फेंस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।अदालत ने दोनों मामलों को बेहद संतुलित लेकिन सख्त तरीके से संभाला। C.J। सूर्यकांत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोई भी बाहरी दखल या भीड़ लाकर हमारी न्यायपालिका को डरा–धमका नहीं सकता।

कोर्ट ने सीधे तौर पर याचिकाकर्ता राहुल गांधी के आचरण और उनके इरादों पर सवाल उठाए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि विपक्ष की मुख्य याचिका पर विचार करना पूरी तरह से अनतिम है, और राहुल गांधी को सबसे पहले १२ अक्टूबर को कोर्ट परिसर के भीतर और आसपास पैदा हुई अराजकता, भीड़ के प्रवेश और अव्यवस्था पर अपने आचरण की लिखित सफाई देनी होगी। इसके अलावा, कोर्ट ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आदेश दिया कि वे उस दिन की सभी सीसीटीवी और डिजिटल फुटेज को सुरक्षित रखें, ताकि यह जांच जा सके कि इस राजनीतिक जुलूस के दौरान कोर्ट की सुरक्षा से क्या खिलवाड़ हुआ था यह

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बढ़ाई भारत की विकास दर

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्तीय वर्ष २०२६–२७ के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर के अनुमान को ६.४ प्रतिशत से बढ़ाकर ७ प्रतिशत करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक और सकारात्मक संकेत है। वैश्विक पटल पर जब कई बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी, महंगाई और अस्थिरता के दौर से गुजर रही हैं, तब भारत की विकास दर में इस तरह का सकारात्मक संशोधन देश की आर्थिक नीतियों और मजबूत आधारभूत संरचना की सफलता को प्रमाणित करता है। यह केवल एक संख्यात्मक वृद्धि नहीं है, बल्कि यह विश्व समुदाय के उस अटूट भरोसे का प्रतीक है जो उसने भारत की आर्थिक संभावनाओं पर जताया है। सात प्रतिशत की यह जादुई विकास दर भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की सूची में सबसे ऊपर रखती है और यह स्पष्ट करती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का आर्थिक पहिया तेज गति से घूम रहा है। इस शानदार आर्थिक वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण देश की अपनी मजबूत घरेलू मांग है। पश्चिमी देशों की तरह भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है, बल्कि यहां का विशाल मध्यम और उसकी उपभोग क्षमता अर्थव्यवस्था को एक मजबूत ढाल प्रदान करती है। जब वैश्विक बाजारों में मांग कम होती है, तब देश के भीतर की खपत उत्पादन को गिरने नहीं देती। पिछले कुछ

वर्षों में लोगों की ऋय शक्ति में जो सुधार आया है, उसने बाजार में उत्पादों और सेवाओं की मांग को निरंतर बनाए रखा है। यह घरेलू मांग ही है जिसके कारण छोटे से लेकर बड़े उद्योगों तक का चक्र सुचारू रूप से चल रहा है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खपत बढ़ने से विनिर्माण और खुदरा व्यापार को भारी लाभ मिल रहा है, जो अंततः सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में परिलक्षित हो रहा है। घरेलू मांग के साथ ही सेवा क्षेत्र इस विकास यात्रा का एक बहुत महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। भारत का सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा, न केवल देश के भीतर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी धाक जमा रहा है। तकनीक के निरंतर विस्तार और नवाचार ने भारतीय उद्यमों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य बनाया है। वित्तीय सेवाओं के आधुनिकीकरण और लेनदेन की नई तकनीकों प्रणालियों ने भी व्यापार को आसान और पारदर्शी बनाया है। सेवा क्षेत्र का लगातार विस्तार न केवल विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा रहा है, बल्कि यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती पेट उसे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास पर किया जा रहा भारी पूंजीगत व्यय भी इस सात प्रतिशत की वृद्धि का एक प्रमुख वाहक है। नई सड़कों, राजमार्गों, रेलवे मार्गों, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के

निर्माण से न केवल देश के विभिन्न हिस्से आपस में बेहतर तरीके से जुड़ रहे हैं, बल्कि इससे माल ढुलाई और व्यापार की लागत में भी भारी कमी आ रही है। बुनियादी ढांचे पर खर्च किया गया धन अर्थव्यवस्था में कई गुना अधिक प्रभाव डालता है। इससे निर्माण सामग्री उद्योगों को सीधा लाभ मिलता है और दिहाड़ी मजदूरों से लेकर तकनीकी विशेषज्ञों तक हर स्तर पर रोजगार का सृजन होता है। सरकार की यह दूरदर्शी सोच अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान कर रही है, जिससे भविष्य में विकास की रफ्तार को और भी तेज किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त विनिर्माण क्षेत्र में जान फूंकने के लिए लागू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी योजनाओं का भी सकारात्मक असर दिखने लगा है। देश को वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। अब संचार उपकरणों से लेकर रक्षा सामग्री और बिजली से चलने वाले उपकरणों तक का विशाल बड़े पैमाने पर देश के भीतर ही हो रहा है। इससे आयात पर निर्भरता कम हो रही है और व्यापार घाटा भी सुधर रहा है। जब देश में नई औद्योगिक इकाइयां लगती हैं, तो वे अपने साथ कुशल और अकुशल दोनों तरह के कामगारों के लिए आजीविका लेकर आती हैं। युवाओं को रोजगार मिलने से उनकी आमदनी बढ़ती है, जिससे वे बाजार में अधिक पैसा खर्च करते हैं, और यह चक्र पूरी अर्थव्यवस्था को लगातार गति प्रदान करता है। भारत जैसे विशाल

देश में असली आर्थिक विकास तब तक संभव नहीं है जब तक कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यधारा के साथ पूरी तरह से कदम मिलाकर न चले। कृषि और उससे जुड़े उद्योगों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत बड़ा योगदान है। अच्छी उपज और बेहतर समर्थन मूल्य के कारण ग्रामीण आय में जो वृद्धि दर्ज की गई है, उसने कृषि उपकरणों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की मांग को तेज किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ता उपभोग इस बात का संकेत है कि विकास का लाभ केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज के निचले पायदान तक भी पहुंच रहा है। आर्थिक समावेशन की यह प्रक्रिया विकास को अधिक टिकाऊ और संतुलित बनाती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के इस नए अनुमान का सीधा असर विदेशी निवेशकों की मानसिकता पर भी पड़ेगा। दुनिया भर के निवेशक हमेशा ऐसे बाजारों की तलाश में रहते हैं जहां उन्हें स्थिरता, सुरक्षा और उच्च लाभ की गारंटी मिल सके। जब एक शीर्ष वैश्विक संस्था भारत की विकास दर को बढ़ाती है, तो यह निवेशकों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है कि भारत निवेश के लिए सबसे सुरक्षित और लाभदायक स्थान है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के बढ़ने से देश में नई तकनीक आती है, उत्पादन क्षमता का विस्तार होता है और वैश्विक बाजारों तक हमारी पहुंच आसान हो जाती है। इसके साथ ही, देश के प्रतिभूति बाजारों में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे आम निवेशकों की संपत्ति में भी

सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक

किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंसिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरों की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्मसंयम का अवसर है। प्रतिवर्ष १५ अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी–केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के

स्वजंशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वयंदुष्ट थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है। डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान–संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और

अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है। छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और

शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तक की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलती, तब वह कभी निराशा, कभी आक्रोश और कभी अनुकरण

की प्रवृत्ति में बहने लगती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, यह लोकोक्ति हर परिस्थिति में सत्य नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि उद्देश्यहीन ऊर्जा भटकाना का करण बन सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल उपदेश नहीं, अवसर, मार्गदर्शन, विश्वास और सार्थक भागीदारी भी चाहिए। यहां जैन दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुशासन की शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा। विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि साहस का अर्थ किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि अपने क्रोध, आंग्रे और अहंकार पर विजय पाना है। विश्व छात्र दिवस पर डॉ. कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम शिक्षा को परीक्षा–केंद्रित संकीर्णता से निकालकर जीवन निर्माण का माध्यम बनाएंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, खेलों, कला,

साहित्य, सामाजिक सेवा और नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा। नशे के विरुद्ध जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद, शिक्षक–विद्यार्थी संबंधों में विश्वास और छात्र राजनीति में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विकास भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान, पर्यावरण संरक्षण, वंचित बच्चों की शिक्षा और सामुदायिक सेवा से जोड़कर उनकी ऊर्जा को सकारात्मक कर्मभूमि दी जा सकती है। साथ ही शिक्षण संस्थानों को भयमुक्त, न्यायपूर्ण और उत्तरदायी वातावरण उपलब्ध कराना होगा, क्योंकि अनुशासन का अर्थ दमन नहीं और स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं है। डॉ. कलाम का विद्यार्थी–दर्शन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक नेता, सरकार या वैज्ञानिक का अकेला अभियान नहीं, बल्कि करोड़ों जाग्रत मस्तिष्कों की सामूहिक साधना है। आज के विद्यार्थी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रतिरोधिता में आगे निकलना नहीं, बल्कि अपनी सफलता को सार्थक बनाना है। उसे यह तय करना होगा कि उसकी प्रतिभा समाज को जोड़ने में लगेगी या तोड़ने में, उसकी बुद्धि समाधान खोजेगी या संकट बढ़ाएगी और उसका साहस निर्माण का इतिहास लिखेगा या विनाश की कहानी।



कॉंकरोच दहन पर भड़की आप दिल्ली पुलिस से लेकर एलजी तक की शिकायत; अदालत जाने की भी तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली की श्री केशव रामलीला कमेटी रावण के साथ 30 फुट ऊंचा कॉंकरोच का पुतला भी जलाने वाली है। रावण दहन के साथ कॉंकरोच का पुतला जलाने की बात पर आम आदमी पार्टी बिफर गई है। पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के एलजी और दिल्ली पुलिस को शिकायत करने की बात कही है। आप ने इसे जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और हिंदु परंपराओं में बदलाव करने का आरोप लगाया है। सबसे पहले आपको बता दें कि कॉंकरोच का यह पुतला नेताजी सुभाष च्लेस पीतमपुरा के मैदान में जलाया जाएगा। आज दशहरा के उपलक्ष्य

में यहां रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतला जलने हैं। जैसा कि हर साल ही होता है। लेकिन इस बार श्री केशव रामलीला कमेटी द्वारा कॉंकरोच का पुतला भी जलाया जाएगा। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर किए टीवीट उसके प्रेसिडेंट अशोक कुमार सेवरहा, भाजपा विधायक कपिल मिश्रा (मंत्री, GNCTD) के खिलाफ दिल्ली के एलजी और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी है। सौरभ भारद्वाज ने आगे लिखा- उन पर जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को

ठेस पहुंचाने, पवित्र हिंदू परंपराओं में बदलाव करने, समुदायों के बीच दुश्मनी भड़काने की कोशिश करने और मीडिया प्लेटफॉर्म से आपतिजनक कंटेंट को तुरंत हटाने की मांग की है। इसके अलावा सौरभ भारद्वाज ने एक चेतवानी भी दी। उन्होंने लिखा- मैंने FIR दर्ज करने की विनती की है। लेकिन, अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम कोर्ट जाएंगे। आप ने आरोप लगाया कि BJP से जुड़े राजनीतिक और सामाजिक विवाद के बीच यह कॉंकरोच वाला पुतला लाया गया है। एक विशिष्ट समूह के नाम से जुड़े पुतले को जलाकर, आयोजकों ने समाज के एक खास वर्ग को निशाना बनाने

और उन्हें बुरा दिखाने के लिए एक पवित्र धार्मिक मंच का इस्तेमाल किया है। यह जानबूझकर उठाया गया कदम समुदायों और सामाजिक समूहों के बीच नफरत, दुश्मनी भड़काने का खतरा पैदा करता है। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है और ऐसा नहीं होने पर अदालत का रुख करने की बात कही है। इस पूरे मामले में कॉंकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपक की अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने इसे पॉजिटिव लेते हुए कहा था- मुप्त में पब्लिसिटी देने के लिए धन्यवाद। वहीं आप ने इसे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है।

नए नोएडा में होंगी चौड़ी सड़कें, नलों में आएगा सिर्फ गंगाजल; 4 गांव और जोड़ने की सिफारिश

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में अब नए नोएडा को बसाने का सपना साकार होने जा रहा है। 80 गांवों की जमीन पर विकसित होने वाले इस शहर के लिए बजट आवंटित हो चुका है। प्राधिकरण का दावा है कि इस शहर में चौड़ी सड़कें होंगी और लोगों को गंगाजल मिलेगा। नोएडा प्राधिकरण की जीएम प्लािंग मीना भागव ने कहा कि नए नोएडा को इनवेस्टमेंट रीजन के तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसका क्षेत्रफल करीब 200 वर्ग किलोमीटर होगा। नोएडा का क्षेत्रफल 203 वर्ग किलोमीटर है। नोएडा के बराबर ही नए नोएडा को भी करने के लिए चार गांव और जोड़ने की सिफारिश की गई है। नए नोएडा की खासियत इसकी चौड़ी-चौड़ी सड़कें होंगी। नए नोएडा के बीच से निकलने वाली 130 मीटर चौड़ी ग्रीड रोड से पूरा शहर जुड़ेगा। इसके बाद 105, 75, 70, 60, 45 मीटर चौड़ी सड़कें दोनों तरफ निकाली जाएंगी। उन्होंने कहा कि नए नोएडा के बीच से गुजरने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क पर किसी भी वाहन चालक के पहुंचने के बाद दाएं या बाएं नए नोएडा के अंतिम छोर पर जाने के लिए मुश्किल से 30 मिनट का समय लगेगा। कनेक्टिविटी का प्लान भविष्य की जरूरतों और भारी वाहनों के हिसाब से किया गया है। नए नोएडा में पानी की किल्लत नहीं होगी। प्राधिकरण यहां जो पानी सप्लाई करेगा, उसका एक प्रतिशत भी जमीन से नहीं निकाला जाएगा। प्रस्तावित नक्शे में किनारे से गंग नहर गुड़ेगा। और उससे कटने वाली दो नहरें अंदर से निकल रही हैं। इन नहरों को और विकसित किया जाएगा। इनके किनारे ही 310 एमएलडी क्षमता वाले छह वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे। इनमें दो 70-70 एमएलडी और एक 30 एमएलडी क्षमता का प्लांट गंग नहर के किनारे होगा। नए नोएडा में जमीन अधिग्रहण के लिए दो जीएम, 10 वरिष्ठ प्रबंधक और दो लेखपाल की तैनाती कर दी गई है। पहले दो चरण के लिए 32 गांव चिह्नित कर लिए गए हैं। इसमें 281 किसानों ने प्राधिकरण को अपनी जमीन देने की सहमति दे दी है और प्राधिकरण पहले ही 100 करोड़ का बजट आवंटित कर चुका है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि किसानों से आपसी सहमति और लैंड पुलिंग मॉडल के आधार पर जमीन ली जाएगी। पहले दो चरणों के लिए 5725 रुपये प्रति वर्ग मीटर की मुआवजा दर तय की जा चुकी है। किसानों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की नीति के तर्ज पर छह प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड भी मिलेगा। तीसरे और चौथे फेज के लिए यमुना की तर्ज पर मुआवजा 4558 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मिलेगा। इसके अलावा सात प्रतिशत का विकसित आबादी भूखंड दिया जाएगा। पहले चरण में अधिग्रहित जमीन का मुआवजा दिसंबर 2026 से मार्च 2027 के बीच पुरा होगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार 18 अक्टूबर 2024 के बाद नए नोएडा के लिए चिह्नित 80 गांवों की सीमा के अंदर कोई भी निर्माण पूरी तरह अवैध माना जाएगा। नोएडा की स्थापना 17 अप्रैल 1976 को हुई थी। इसे ही न्यू ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण कहते हैं। नोएडा की महत्ता लगातार बढ़ती गई और 6 मई 1997 को गाजियाबाद के दादरी, बिसरख और बुलंदशहर के जेठर और दनकौर ब्लॉक को जोड़कर गौतमबुद्ध नगर जिला बना दिया गया।

क्राइम ब्रांच के सामने हाजिर नहीं हुए सौरभ और आशुतोष; दिल्ली पुलिस से मांगा समय

नई दिल्ली। कॉंकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका आज गुरुवार को दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। उन्होंने दिल्ली पुलिस से इसके लिए अतिरिक्त समय मांगा है। यह जानकारी दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के सूत्रों की तरफ से सामने आई है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सौरभ दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को दोपहर 12 बजे राजीव गार्डन स्थित कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन तीनों वहां नहीं पहुंचे। इन लोगों ने अतिरिक्त समय मांगा है। विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ऋतु राज ने सौरभ दास और आशुतोष रांका को 50-50 हजार रुपये के निजी और जमानती मुचलके भरने का निर्देश दिया था। अदालत ने दोनों को सभी सुनवाई में मौजूद रहने और मुचलकों में तय की गई शर्तों का पालन करने को कहा था। उनके जमानतदारों की पुष्टि के लिए जांच अधिकारी को अगली सुनवाई पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश भी दिया गया था। दोनों नेताओं ने अदालत में लिखित आश्वासन दिया था कि वे शांति भंग नहीं करेंगे और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखेंगे। उन्होंने जंतर-मंतर को कानून के तहत दोबारा अधिस्थित किए जाने तक वहां प्रदर्शन का आह्वान नहीं करने की बात भी कही थी। भविष्य में होने वाले प्रदर्शनों को सवैधानिक दायरे में रखने का आश्वासन दिया गया था। अदालत ने कहा था कि लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद इस स्तर पर दोनों को आगे न्यायिक हिरासत में रखना जरूरी नहीं दिखाई देता। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की जांच कानून के अनुसार जारी रहेगी। यह मामला 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर हुए CJP के प्रदर्शन से जुड़ा है। पुलिस के मुताबिक, जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिस्थित नहीं रखा गया था।

फटे नोट से इनकार पर डिलीवरी बाँय से मारपीट, दी जान; वीडियो बना बयां किया दर्द

नई दिल्ली।दिल्ली में फटे नोट को लेकर हुए विवाद में एक 24 वर्षीय डिलीवरी बाँय के साथ 2 लोगों ने कथित तौर पर मारपीट की। 4 अक्टूबर को घटी इस घटना के बाद समीर ने अपना पक्ष रखते हुए एक वीडियो बनाया और जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती रहने के बाद 20 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उसकाने के आरोप में केस दर्ज किया है। पूर्वी दिल्ली में फटे नोट लेने से इनकार पर 2 लोगों ने डिलीवरी बाँय समीर हुसैन से मारपीट कर दी गई। मारपीट की घटना के बाद 24 वर्षीय डिलीवरी बाँय ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर कथित तौर पर जान दे दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामले में आत्महत्या के लिए उसकाने से संबंधित आरोप जोड़े हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, समीर हुसैन पर 4 अक्टूबर को रात पूर्वी विनोद नगर के दो निवासियों ने

कथित तौर पर हमला किया था। समीर हुसैन ने फटा हुआ नोट लेने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद दोनों ने उनके साथ मारपीट की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी पहचान राकेश उर्फ बंटी (30) और रामपाल सिंह (65) के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 4 अक्टूबर को रात 11 बजकर तीन मिनट पर इस घटना के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को फोन आया था।

हुसैन ने सूचना दी थी कि आरोपियों ने फटे नोट को लेकर उस पर हमला किया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इसके बाद देर रात हुसैन की चिकित्सकीय-कानूनी रिपोर्ट (एमएनसी) तैयार की गई और उसी दिन कल्याणपुरी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। बाद में हुसैन ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने घटना के बाद में अपना पक्ष बताया था। दिल्ली पुलिस को बाद में सूचना मिली कि हुसैन ने जहरीला पदार्थ खा लिया है।

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र
संदर्भ: निविदा नोटिस सं० 44/2026-2027 दिनांक 23.09.2026 क्रम संख्या 06
1. निविदा सं० 152655111 नियत तिथि 26.11.2026
उपरोक्त संवर्धित टेंडर की नियत तिथि 22.10.2026 से बढ़ाकर 26.11.2026 कर दी गई है। शेष सभी नियम एवं शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह शुद्धिपत्र वेबसाइट पर मुद्रित किया गया है। www.ireps.gov.in
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3676/2026

उत्तर रेलवे	
निविदा आमंत्रण सूचना	
कार्य का नाम और इसकी स्थिति	118-SRDEE-G-DLI-2026-27 HNMZ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर प्रकाश व्यवस्था की विश्वसनीयता / रिडंडेंसी (अतिरिक्त सुरक्षा) में सुधार से संबंधित विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 42346848.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट स्ट्रीट रोड, नई दिल्ली-110055
बयाना राशि	रु. 846900.00/-
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	12.11.2026, 13.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	12.11.2026, 13.00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3659/2026
--

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
उप मुख्य विद्युत अभियंता/ निर्माण/ उत्तर रेलवे, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110001 निम्नलिखित कार्य के लिए एकल चरण को पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ईपीबी-निविदा आमंत्रित करते हैं:-	
1 कार्य का नाम और स्थान	दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे के NDLS-CPVZ सेक्शन में गति को 160 Km/h तक बढ़ाने के लिए SP/SSP/ के कनेक्शन हेतु केबल बिछाने का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग।
2 कार्य की समाप्ति अवधि	12 महीने
3 कार्य की अनुमानित लागत	₹ 94,15,93,660.90/-
4 बोली सुझा राशि (निविदा में दिए गए अनुसार ऑनलाइन जमा की जानी है)	₹ 1,88,31,900/-
5 निविदा खोलने की तारीख और समय	निविदाएं 18.11.2026 तारीख को 11.00 बजे या उसके बाद IREPS वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर खोली जाएंगी। बोलीदाता epc-tender में मांग ले सकते हैं।
6 विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए IREPS वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर 23.10.2026 से 13.11.2026 तक उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखी जा सकती है।
निविदा संख्या: 347-R/Dy.CEE/CNDLS/2026-27/EPC दिनांक: 22.10.2026 3672/2026	
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

हिमाचल प्रदेश में जल्द होने जा रहा कैबिनेट विस्तार, किन नामों पर चल रही चर्चा; मंत्रालयों में भी बदलाव संभव

सामाजिक और जातीय समीकरणों के साथ पार्टी की राजनीतिक जरूरतों को ध्यान में रखे जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल विस्तार के साथ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में फेरबदल की अटकलें भी हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल में अधिकतम 12 मंत्री हो सकते हैं। एक पद खाली होने के कारण नए मंत्री की नियुक्ति का रास्ता खुला है। कुल्लू सदर से कांग्रेस विधायक सुंदर सिंह ठाकुर का नाम इस पद के प्रमुख दावेदारों में लिया जा रहा है। पालमपुर से विधायक आशीष बूटेल का नाम भी चर्चा में है। हालांकि, इनमें से किसी के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सुंदर सिंह ठाकुर को मंत्रिमंडल में जगह मिलने पर कुल्लू जिले को सरकार में प्रतिनिधित्व मिल सकता है। मंडी संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले कुल्लू और आसपास के इलाकों में

कैबिनेट प्रतिनिधित्व का मुद्दा राजनीतिक रूप से अहम रहा है। ऐसे में नए मंत्री के चयन में क्षेत्रीय संतुलन को महत्व दिए जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल विस्तार के साथ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में बदलाव भी हो सकता है। कुछ मंत्रियों के पास कई महत्वपूर्ण विभाग हैं। ऐसे में विभागों का पुनर्वितरण कर जिम्मेदारियों का संतुलन बनाने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, विभागों में फेरबदल को लेकर सरकार ने अभी कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी है। अगले साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सरकार के सामने विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने, प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाने और जनता के बीच अपनी उपस्थिति मजबूत करने की चुनौती है। मंत्रिमंडल विस्तार को इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद

सिंह सुखबू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार और सुंदर सिंह ठाकुर के हालिया दिल्ली दौरे के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चाएं तेज हुई हैं। तीनों नेताओं के एक ही समय दिल्ली पहुंचने को कांग्रेस हाईकमान के साथ संभावित नियुक्तियों पर चर्चा से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, इन बैठकों में क्या सहमति बनी, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कांग्रेस हाईकमान की मंजूरी इस प्रक्रिया में अहम होगी। पार्टी के भीतर क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन के साथ आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर निर्णय लिए जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल विस्तार के अलावा विधानसभा उपाध्यक्ष का पद भी लंबे समय से खाली है। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद यह पद छोड़ दिया था।

← रेलयात्री कृपया ध्यान दें! →

महत्वपूर्ण सूचना

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों-2026 में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी:-

02253/02254 पटना जं. — नई दिल्ली — पटना जं. आरक्षित वंदे भारत त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी		31 फेरे	
रेलगाड़ी सं. 02253	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02254	
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
--	10:00	पटना जं.	21:30
23:30	--	नई दिल्ली	--
			08:35

चलने के दिन: 02253 पटना जं. से प्रत्येक शनिवार, सोमवार व बुधवार को दिनांक 24.10.2026 से 28.11.2026 तक एवं 02254 नई दिल्ली से प्रत्येक रविवार, मंगलवार व गुरुवार को दिनांक 26.11.2026 तक।
स्थान: कुशीयान वाता। **उद्घाटन:** आरा जं, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं, प्रयागराज जं, कानपुर सेंट्रल एवं अलीगढ़ जं स्टेशन।

02252/02251 नई दिल्ली — पटना जं. — नई दिल्ली		30		
आरक्षित वंदे भारत त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी		फेरे		
रेलगाड़ी सं. 02252	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02251		
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान	
--	08:35	नई दिल्ली	23:30	--
21:30	--	पटना जं.	--	10:00

चलने के दिन: 02252 नई दिल्ली से प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शनिवार को दिनांक 25.11.2026 तक एवं 02251 पटना जं. से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार व रविवार को दिनांक 28.11.2026 तक।
स्थान: कुशीयान वाता। **उद्घाटन:** अलीगढ़ जं, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं, बक्सर एवं आरा जं स्टेशन।

स्थान: कुलुयागन पोर्ता। **उद्देश्य:** जेम्लगाढ जं, कामपुर सट्टेन, प्रयागराज जं, प. दीन दयाल उपाध्याय जं, बक्सर एए आरा जं स्टेशन।

12 फेरे

04536/04535 चण्डीगढ — बरौनी जं — चण्डीगढ आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाडी				
रेलगाडी सं. 04536	↓	स्टेशन	↑	रेलगाडी सं. 04535
आगमन		प्रस्थान		आगमन
--		23:45		चण्डीगढ
00:30		--		बरौनी जं
				02:35

चलने के दिन: 04536 चण्डीगढ़ से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 23.10.2026 से 27.11.2026 तक एवं 04535 बरोनी जं से प्रत्येक रविवार को दिनांक 25.10.2026 से 29.11.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता, एवं 3 टियर वाता।

उद्घाटन: अंबाला छावनी, यमुनानगर जगधारी, सहानपुर जं., मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं. एवं शाहपुर पटौरी स्टेशन।

01913/01914 खजुराहो—हज़रत निज़ामुद्दीन—खजुराहो त्यौहार विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में तीन दिन)				24 फेरे
रेलगाड़ी सं. 01913		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01914	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:15	खजुराहो	03:30	--
11:00	--	हज़रत निज़ामुद्दीन	--	12:30

चलने के दिन: 01913 खजुराहो से प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शनिवार को दिनांक 18.11.2026 तक एवं 01914 हज़रत निज़ामुद्दीन से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार व रविवार को दिनांक 19.11.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य। **उद्घाटन:** दुरिया गंज, छतरपुर, टीकमगढ़, दैलवाड़ा, वीरगंगा लक्ष्मीबाई झॉसी, दतिया, डबरा, ग्वालियर जं, मुरेना, धौलपुर जं, आगरा छावनी, मथुरा जं एवं कोसी कलौं स्टेशन।

08407/08408 खोरधा रोड जं. — आनन्द विहार टर्मिनल — खोरधा रोड जं. पूजा विशेष रेलगाड़ी				03 फेरे
रेलगाड़ी सं. 08407		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 08408	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:15	खोरधा रोड जं.	10:45	--
22:30	--	आनन्द विहार टर्मिनल	--	00:30

चलने के दिन: 08407 खोरधा रोड जं. से रविवार दिनांक 25.10.2026 को एवं 08408 आनन्द विहार टर्मिनल से शुक्रवार व मंगलवार को दिनांक 23.10.2026 व 27.10.2026 को।

स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य।
उद्घाटन: मुरौनेश्वर, कटक, जाजपुर केन्दुझार रोड, भद्रक, बालेश्वर, हिजली, मेदिनीपुर, बिष्णुपुर, बांकुड़ा, आद्रा जं., नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जं. गोमो, कोडरमा जं., गया जं, डेहरी ऑनसोल, सासाराम, मम्मुआ रोड, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं, सूबेदार गंज, गोविंदपुरी, टूण्डला जं. एवं गाज़ियाबाद जं. स्टेशन।

04652/04651 अमृतसर — जयनगर — अमृतसर		35 फेरे	
आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी			
रेलगाड़ी सं. 04652	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04651	
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
---	10:55	अमृतसर	15:00
02:30	02:40	लखनऊ	22:30
20:00	---	जयनगर	04:15

चलने के दिन : 04652 अमृतसर से प्रत्येक बुध, शुक्र, रवि को दिनांक 19.11.2026 तक एवं 04651 जयनगर से प्रत्येक शुक्र, रवि, मंगल को दिनांक 01.12.2026 तक। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य।
उद्घाटन : जलंधर कैंट, लुधियाना जं., अंबाला छावनी, पानीपत जं., दिल्ली जं., मुरादाबाद, लखनऊ जं., शाहगंज जं., फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्ला, छपरा, मुज़फ़्फ़रपुर जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. एवं मधुबनी स्टेशन।

04406/04405 शकूर बस्ती-मानसी जं.-शकूर बस्ती		16	
अनारक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी		फेरे	
रेलगाड़ी सं. 04406	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04405	
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
----	19:10	शकूर बस्ती	11:30
02:30	मानसी जं.	----	04:30

चलने के दिन: 04406 शकूर बस्ती से दिनांक 05.11.26, 06.11.26, 07.11.26, 10.11.26, 11.11.26, 12.11.26, 13.11.26 एवं 14.11.26 को एवं 04405 मानसी जं. से दिनांक 07.11.26, 08.11.26, 09.11.26, 12.11.26, 13.11.26, 14.11.26, 15.11.26 एवं 16.11.26 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य।
उद्घाटन: नई दिल्ली, गाज़ियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशवागर, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटौरी, बरोनी जं., बैगूसराय एवं खगड़िया जं. स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

04638/04637 अमृतसर जं.-छपरा-अमृतसर जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी				12 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04638		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04637	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:40	अमृतसर जं.	00:20	----
20:45	---	छपरा	----	22:15

चलने के दिन: 04638 अमृतसर जं. से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 30.11.2026 तक एवं 04637 छपरा से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 01.12.2026 तक।
स्थान: शयनयान। **उद्घाटन:** व्यास जं., जलंधर सिटी जं., फगवाड़ा जं., ढंडारी कलौं, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला छावनी, यमुनानगर जगधारी, सहाननपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं, पडरौना, तमकुली रोड, थावे जं., सीवान जं. एवं एकमा स्टेशन।

04640/04639 छेहरटा — मुजफ्फरपुर जं. — छेहरटा		12 फेरे	
आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी			
रेलगाड़ी सं. 04640		रेलगाड़ी सं. 04639	
आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
---	08:35	छेहरटा	21:30
18:05	18:13	मुरादाबाद	11:00
13:10	---	मुजफ्फरपुर जं.	16:00

चलने के दिन: 04640 छेहरटा से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 30.11.2026 तक एवं 04639 मुज़फ़्फ़रपुर जं. से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 01.12.2026 तक।

स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, एवं शयनयान।
उद्घाटन: अमृतसर जं., व्यास जं



एक नज़र

200 मीटर की दूरी पर 2 युवकों के शव मिले; हत्या के बाद बोरे में भरकर फेंका, डबल मर्डर से सनसनी

चंदौली। जिले के धीना थाना क्षेत्र के डेढ़गांवा गांव के समीप धीना-जमानियां मार्ग पर गुरुवार सुबह दो अज्ञात युवकों के शव बोरे में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे दो अलग-अलग स्थानों पर शव मिलने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्रथम दृष्ट्या पुलिस हत्या कर शवों को ठिकाने लगाने की आशंका जता रही है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह कुछ ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सड़क किनारे दो अलग-अलग स्थानों पर बोरे पड़े देखे। शक होने पर पास जाकर जांच की तो बोरों के अंदर युवकों के शव मिले। इनमें एक शव डेढ़गांवा मोड़ के पास, जबकि दूसरा करीब 200 मीटर दूर पड़ा था। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल धीना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही धीना थाना प्रभारी त्रिवेणी लाल सेन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को बोरों से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। दोनों युवकों की उम्र करीब 30 से 32 वर्ष के बीच बताई जा रही है। हालांकि, देर तक उनकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला हत्या के बाद शवों को सुनसान स्थान पर फेंकने का प्रतीत हो रहा है। आशंका है कि पहचान छिपाने के उद्देश्य से शवों को बोरों में भरकर सड़क किनारे फेंका गया। दोनों शवों का अलग-अलग स्थानों पर मिलना भी पुलिस के लिए जांच का महत्वपूर्ण बिंदु है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। अज्ञात हत्यारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। शवों की पहचान के लिए आसपास के थानों और अन्य जनपदों में तस्वीरें भेजी गई हैं। साथ ही गुप्तचुदगी की रिपोर्ट भी खंगाली जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

इमरजेंसी वार्ड में घुस गए दो सांड, बेड छोड़कर भागे मरीज, बचाने लौड़े तीमारदार, वीडियो वायरल

महोबा। यूपी में आवारा जानवरों को लेकर अक्सर ही लोग परेशान रहते हैं। कभी ये जानवर बीच सड़क पर लड़ने लगते हैं तो कहीं अस्पताल या फिर दुकान में घुस जाते हैं। ऐसा ही एक मामला महोबा जिले से सामने आया है। यहां जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में बुधवार शाम में दो आवारा सांड घुस गए। अस्पताल के अंदर सांडों को देखकर अफरातफरी मच गई। भर्ती मरीज बिस्तर से उठकर भागने लगे। मरीजों को बचाने के लिए तीमारदार दौड़ पड़े। देखते ही देखते अस्पताल में भगदड़ सी मच गई। तीमारदारों ने एक सांड को बाहर भागया, जबकि दूसरा वार्ड के अंदर तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य मंत्री पर एक्स पर तंज भी कसा। वीडियो में अत्रा मवेशी इमरजेंसी वार्ड के मुख्य गेट और अस्पताल की गैलरी में घूमते नजर आ रहे हैं। इससे अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वीडियो को दवीट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री जी संज्ञान लें। अस्पतालों का औचक निरीक्षण करने आपकी जगह कोई और पहुंच गया है। वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस संबंध में सीएमओ विनय कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन उनके ड्राइवर ने उठाया। उन्होंने बताया कि सीएमओ बांदा में बैक में शामिल होने गए हैं। महोबा में दो सांड लड़कते हुए अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में घुस गए। अस्पताल के अंदर सांडों को देखकर अफरा-तफरी मच गई। तीमारदार अपने मरीजों को बचाते हुए नजर आए हैं। वहीं दूसरा मामला बागपत जिले से सामने आया है। अमीनगर सराय कस्बे के मुख्य बाजार में दो सांड आपस में लड़ने लगे। सांडों के भिड़ते ही बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्राहक बाइक व साइकिल लेकर वहां से दूर भाग निकले। वहीं, व्यापारी भी दुकाने छोड़कर सांडों से दूर खड़े हो गए। सड़क पर बने अखाड़े के दोनों ओर कस्बावासियों का जमावड़ा लग गया। युवाओं ने सांडों की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी की। जिस तरफ भी सांड भागते उसी तरफ लोगों में भगदड़ मच जाती। करीब आधा घंटे तक कस्बे के मुख्य बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। व्यापारियों ने छतों से सांडों के ऊपर पानी फेंका, तब जाकर दोनों सांड शांत हुए। वहीं, गनीमत रही कि इस दौरान न तो कोई चोटिल हुआ और न ही व्यापारी के सामान को क्षति पहुंची।

योगी आदित्यनाथ का मंदिर मॉडल और उत्तर प्रदेश में आस्था का अर्थशास्त्र

लखनऊ। आम तौर पर मनुष्य को हिसाब लगाने वाला प्राणी माना जाता रहा है, जो लाभ और हानि के तराजू पर हर निर्णय तौलता है। लेकिन, भारतीय समाज ने सदियों से इस धारणा को चुप-चाप झुटलाया है। यहां मंदिर के आंगन में बाजान पनपे, मेलों-तीर्थों की छाया में व्यापार परवान चढ़ा और नदी किनारे धर्म के साथ अर्थव्यवस्था भी फली-फूली। काशी के गंगा घाट, मथुरा की कुंज गली और अयोध्या का सरयू तट केवल पूजा स्थल नहीं थे, वे अपने समय के आर्थिक केंद्र थे। उत्तर प्रदेश आज उसी भूली परंपरा को नई भाषा में दोहरा रहा है। इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह सोच है कि श्रद्धा कोई आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि एक पूंजी है और उसे पहचान कर संवारा जाए तो वह रोजगार, निवेश और आत्मविश्वास का स्रोत बन

सकती है। यह नजरिया आर्थिक दृष्टि से जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही वैचारिक भी और इसे उसी गहराई से परखा जाना चाहिए। पहले तथ्य। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2021 से अब तक यूपी में 950 से अधिक मंदिरों और तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार, विस्तार या पुनर्निर्माण हुआ है। 650 से ज्यादा परियोजनाएं 2025 तक पूरी हो चुकी हैं और करीब 300 अग्रिम चरण में हैं। उत्तर प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्रों में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां एक से लेकर पांच धार्मिक स्थलों पर काम न हुआ हो। घरेलू पर्यटकों की संख्या 2017 में 23 करोड़ थी, जो 2025 के अंत तक 156 करोड़ हो गई। यह अनायास नहीं है। ‘यह अर्थव्यवस्था का कब्रिस्तान से मंदिर की ओर स्थानांतरण है।’ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन शब्दों में राजनीतिक धार

अवश्य है, पर उसके पीछे एक गंभीर प्रस्थापना भी है कि विकास का रास्ता समाज की अपनी सांस्कृतिक स्मृति से होकर भी निकल सकता है। अब प्रश्न यह कि धार्मिक पर्यटन की इस अवधारणा का वैचारिक केंद्र क्या है विकास का आयातित मॉडल प्रायः यह मान चलता है कि आधुनिकता का अर्थ परंपरा से दूरी है। कारखाने और कॉरिडोर, शहर और तीर्थ, अलग-अलग दिशाओं में जाते हैं। उत्तर प्रदेश का प्रयोग इस द्वैत को नकारता है। वह कहता है कि जिस समाज की सबसे गहरी पूंजी उसकी आस्था है, वहां विकास की योजना उस पूंजी को छोड़कर नहीं बन सकती। इस दृष्टि से गांव का मंदिर सामूहिक स्मृति का वह केंद्र है, जहां लोग मिलते हैं, त्योहार मनाते हैं और अपनी साझा पहचान महसूस करते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी उत्तर प्रदेश में मंदिर

सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र हैं और उन्हें मजबूत करने से लोगों से जुड़ाव गहरा होता है। अर्थशास्त्री इसे सामाजिक पूंजी कहते हैं। इस दर्शन को मूर्त रूप देने वाली संरचना को देखें। गांव के मंदिर में 40 लाख से डेढ़ करोड़ रुपये के खर्च से बनी चारदीवारी, पेयजल, शौचालय और सोलर लाइट का मतलब है कि सार्वजनिक सुविधा श्रद्धा के बहाने गांव की दहलीज तक पहुंची। इस संरचना के आधार में जिला स्तरीय धर्मशालाओं, कुंडों व पार्किंग स्थलों का निर्माण या पुनरुद्धार है तो इसके शीर्ष पर अयोध्या, काशी विश्वनाथ धाम और विंध्यवासिनी कॉरिडोर आदि स्थानों पर हजारों-लाखों करोड़ का निवेश है। इसमें आस्था केवल भावना नहीं, बल्कि निर्माण, परिवहन, आतिथ्य और हस्तशिल्प की पूरी मूल्य-शृंखला का आधार बन जाती है।

दयाराम हत्याकांड मुफलिसी की बेड़ियों पर पसीजा कानून कोर्ट ने हटाई जमानतियों की शर्त, रिहाई के आदेश जारी



होने के बावजूद बेबसी और मुफलिसी के चलते प्रीतम की रिहाई अटक गई। नियम के तहत ऊपरी अदालत में अपील की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 25-25 हजार रुपये के दो स्थानीय जमानती और मुचलके की शर्त रखी गई थी। चूंकि मुख्य आरोपी

पिता डोरीलाल को अदालत ने दोषी पाते हुए 25 सितंबर 2026 को उम्रकैद और 15 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाकर जेल भेज दिया था और घर में 20 वर्ष पूर्व मां के निधन के बाद कोई पैरोकार नहीं बचा था, इसलिए प्रीतम दो जमानतियों का बंदोबस्त नहीं कर पा

रहा था। इस कानूनी कंפ़ालायंस के न होने से बेकसूर साबित होने के बाद भी वह जेल की चारदीवारी में ही कैद रहने को विवश था। एलएडीसी राजीव कुमार ने बताया कि दोषमुक्त होने के बाद भी मुफलिसी के कारण जेल में बंद रहने के इस संवेदनशील पहलू को अदालत ने गंभीरता से लिया। अदालत ने यह देखते हुए कि गरीब और बेसहारा युवक केवल जमानती न मिल पाने के कारण अपनी आजादी से वंचित है, दो जमानती प्रस्तुत करने की शर्त के स्थान पर विशेष आधार पर उसे रिहा करने का आदेश पारित किया। न्यायालय से प्रीतम का विधिवत रिहाई परवाना जिला कारागार प्रशासन को भेज दिया गया है। जेल प्रशासन के अनुसार, परवाना प्राप्त होने के बाद निम्नानुसार प्रीतम की रिहाई की प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।

शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी को 6 दिन तक थाने में बैठाने पर हाईकोर्ट सख्त, कोतवाल और दरोगा सस्पेंड

देवरिया। यूपी के देवरिया में शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी को छह दिन तक सलेमपुर थाने में बेठाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्त हो गया है। इस मामले में कोर्ट के सख्त रुख अपनाने के बाद एसपी अभिजीत आर शंकर ने सलेमपुर के कोतवाल विनोद कुमार सिंह और विवेक दरोगा दीप नारायण को सस्पेंड कर दिया है। मामले में 23 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने विवेक को सीसी फुटेज व कागजात के साथ तलब किया है। सलेमपुर उपनगर में किराये के कमरे में एक युवती को रखकर शादी का झांसा देकर एक युवक ने शारीरिक संबंध बनाया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी दिखाते हुए 2 सितंबर को चालान कर दिया। इस बीच आरोपी की मां हाईकोर्ट पहुंच गई और रिट दाखिल कर दी। उसने आरोप लगाया कि उसके बेटे को छह दिन तक कोतवाली में रखा गया। हाईकोर्ट ने मामले को संज्ञान लेते हुए विवेक को 23 अक्टूबर को तलब किया है। मिली जानकारी के अनुसार कोर्ट की सख्ती के बाद एसपी ने मामले की खुद जांच कराई जिसमें 28 अगस्त से लेकर 2 सितंबर तक आरोपी कोतवाली में पाया गया। इसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से हुई है। फुटेज की जांच में आरोपी कभी कार्यालय तो कभी प्रभारी निरीक्षक के कक्ष में दिखा है। इसे गंभीरता से लेते हुए एसपी ने बुधवार की रात सलेमपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह और मामले के विवेक दीप नारायण को निलंबित कर दिया। राहुल सिंह को सलेमपुर कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है।

रामपुर से किसे मैदान में उतारेगी सपा अखिलेश ने नाम बताने से किया इनकार, बोले-क्यों बताऊं

रामपुर। रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा को शिक्षा से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा आजम खान और उनके शैक्षिक प्रयासों को निशाना बना रही है। मीडिया ने जब सवाल किया कि विधानसभा चुनाव में सपा रामपुर से किसे उम्मीदवार बनाएगी इस पर अखिलेश भड़क गए, बोले क्यों बताऊं। लिस्ट जारी होगी तो पढ़ लेना। जिला जेल में आजम से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने सत्ताधारी दल पर रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि इतिहास में किसी भी सरकार ने किसी शैक्षिक संस्थान को इतना नुकसान नहीं पहुंचाया है। अखिलेश यादव ने कहा, आजम खान ने शिक्षा को लेकर जो सपना देखा है उसे सपा पूरा करेगी। अखिलेश ने कहा, आजम खान के परिवार के साथ अन्याय हुआ है उन पर झूठे मुकदमे लादे गए हैं। उन्होंने जेल में इतने साल बिताए हैं। सच तो यह है कि बीजेपी को शिक्षा या उससे जुड़ी किसी भी चीज की कोई परवाह नहीं है..उन्होंने यूनिवर्सिटी की कोई परवाह नहीं की; बल्कि, उन्होंने इस करने के लिए मोहरें के तौर पर किया जा रहा है; लेकिन अब ये अधिकारी भी धीरे-धीरे खुद को इससे दूर कर रहे हैं। इस भरोसे के

साथ कि आजम खान एक दिन जरूर आजाद होंगे, यादव ने कहा कि राजनीतिक कारणों से लगाए गए आरोप सच को हमेशा के लिए दबाकर नहीं रख सकते। अखिलेश ने कहा, झूठे मुकदमों में किसी को हमेशा के लिए जेल में रखने की ताकत नहीं होती। इसमें समय लग सकता है, थोड़ी देरी हो सकती है।

पड़ोसी के साथ मिलकर पति का मर्डर, 25 हजार

नें हुई थी डील; बक्सा

कांड में पत्नी ने उगले राज

उत्राव। सोनू सविता हत्याकांड (बक्सा सौनू) में पड़ोसी जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल की भूमिका ने सबको चौंका दिया। वारदात में साथ देने के बाद शव को बक्से में रखवाया। लोडर रावना कर अपनी पत्नी और दो बच्चों को विजयदशमी का मेला दिखाने ले गया। परिवार के साथ रावण दहन देखने के बाद घर लौटा, खाना खाया और सो गया। सुबह नौद खुलने से पहले ही पुलिस उसके दरवाजे पर पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने बताया कि 25 हजार में पड़ोसी को सोनू की सुपारी दी गई थी। ललऊखेड़ा में नैहा रावत की चार बेटियां 22 वर्षीय रुमा, 18 वर्षीय पल्लवी, 16 वर्षीय शालू और 14 वर्षीय रीमा उसके पहले पति जगदीश के साथ लखनऊ में रहती हैं।

आजम थे, आजम हैं और आजम रहेंगे, रामपुर में बोले अखिलेश यादव, कहा-सपा पूरा करेगी उनका सपना

रामपुर। जेल में बंद आजम खान से अखिलेश की मुलाकात के बाद रामपुर में सियासी पारा हाई हो गया है। जेल में आजम से मिलकर वापस लौटे अखिलेश यादव ने रामपुर की धरती से कहा, आजम खान साहब के लिए हमारा यहीं ऐलान है, जो आजम थे, वो आजम हैं, वो आजम रहेंगे। जेल में हुई मुलाकात पर अखिलेश ने कहा, आजम से उनकी बातचीत अच्छी रही। उन्होंने कहा, वो स्वस्थ हैं, मैं उम्मीद करता हूं कि स्वस्थ रहें और जल्दी ही उनको न्याय मिले। उन्होंने बताया कि आजम ने उन्हें कुछ सुझाव दिए हैं जो उन्होंने अपने पास रख लिए हैं। पूर्व सीएम ने कहा, आजम खान ने विश्वविद्यालय, शिक्षा और युवाओं का भविष्य बनाने के लिए जो सपना देखा था, उसे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरा करेंगे। अखिलेश यादव इसके बाद आजम के परिवार से मिलने भी पहुंचे।



आजम के समर्थन में अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट भी डाली। जिसमें उन्होंने लिखा, फर्जी मुकदमों में इतनी ताकत नहीं है कि वो सच को कैद कर सकें। षडयंत्र रचकर किसी को फेंद में रखनेवाली ही हमेशा अपने दिमाग की जेल में डरके मारे बंद रहता है क्योंकि उसे हर पल यही डर सताता है कि कल को जब सच सामने आयेगा तो उसे अपने किये की सजा भुगतनी ही होगी। वो कल की सजा के

बारे में सोच-सोचकर अंदर-ही-अंदर गलता-डरता रहता है। अखिलेश ने आगे लिखा, भ्रष्ट अधिकारी और फर्जी मुकदमे भाजपाई शासन-प्रशासन के दो अहम हथियार हैं। जब भी भाजपा की नाइंसाफी का इतिहास लिखा जाएगा रामपुर का नाम सबसे ऊपर आयेगा। जौहर यूनिवर्सिटी को बंद करने की साजिश दरअसल पीडीए से पढ़ाई के अधिकार को छीनने का षडयंत्र है। जो हजारों स्कूल बंद कर सकते हैं वो यूनिवर्सिटी को बंद क्यों छोड़ेंगे। ये दकियानूसी नकारात्मक भाजपाई लोग आदरणीय आजम खान जी से इसलिए चिढ़ते हैं क्योंकि ये खुद कभी आजम साहब की तरह तरक्कीपसंद और सकारात्मक नहीं हो सकते हैं। भाजपा का इल्म और तालिम से छत्तीस का ओकड़ा है। इल्म के मामले में भाजपा सिफर है। बदले की भावना रखनेवाली भाजपा को जनता हमेशा के

लिए बदल देगी। अखिलेश ने कहा कि उन्होंने आजम खान के साथ सभी 403 विधानसभा सीटों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने चुनाव को लेकर गठबंधन सहयोगियों से मिले सुझावों की सूची पर भी चर्चा की। एक सवाल के जवाब में अखिलेश ने कहा कि आजम खान ने किसी विधानसभा सीट की मांग नहीं की, बल्कि कुछ सुझाव दिए हैं, जिन्हें नोट कर लिया गया है। रामपुर विधानसभा सीट से सपा का उम्मीदवार कौन होगा, यह पूछे जाने पर अखिलेश ने नाम बताने से इनकार करते हुए कहा, ‘हम अभी इसका खुलासा क्यों करें रामराज्य की अवधारणा का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यहां न्याय और निष्पक्षता की भावना को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, रामपुर जैसी जगह पर कभी रामराज्य की जो भावना थी, उसे कुचल दिया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे	
 ई-निविदा आमंत्रण सूचना	
पत्र सं. : WB-74-W-O/Works/NTX। दिनांक: 19.10.2026	
मंडल रेल बजटक ईनिविदा/परियोजना, उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं जनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है- ई-निविदा सूचना सं. 2026-27 : 1710/2026-27 कार्य का नाम व स्थान : MISCELLANEOUS TRACK WORK IN THE JURISDICTION OF ADEN/DNA अनुमानित लागत रुपये : 40217306.69 बचाने की राशि रुपये : 804400.00 निविदा सूचना सं. 1710/2026-27, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 10/11/2026 को 15.00 बजे तक) वेबसाइट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है — www.iरेps.gov.in 1513-CQ/26	
 उत्तर पश्चिम रेलवे	
ई-टेंडर/निविदा सूचना EPC नॉड के आधार पर सिग्नल स्ट्रेच डू कैंटर सिस्टम मुख्य विद्युत अभियंता /परियोजना, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा का ऑन लाईन ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है। निविदाकार अपना मूल /परिवर्तित प्रस्ताव ई-निविदा सिस्टम (स्कॉट कनेक्टिविटी प्रस्ताव) के तहत 132/65 KV ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेवर्वागिन पोस्ट (SPS) और सब-सेवर्वागिन पोस्ट (SSPs) का डिजाइन, सलाह, इंजीनियर, टेस्टिंग और कमीशनिंग। 3. अनुमानित लागत : रुपये 183,92,49,492.37 /— 4. धरोहर राशि : रुपये 3,67,85,00,000 /— 5. कार्य पूरा होने की अवधि : 540 दिन 6. ई-टेंडर करने की अंतिम तिथि और समय : 22/12/2026 (15.00 hrs.) 7. वेबसाइट का विवरण : (www.iरेps.gov.in) नोट: कोई भी मैनुअल टेंडर स्वीकार नहीं किया जायेगा। 1517-CQ/26	
 www.iरेps.gov.in 1513-CQ/26	

अभिनेता अनुपम खेर-राजपाल, बोले-कलाकार का सम्मान जरूरी



हाल ही में नवरात्रि के दौरान उत्तराखंड के टिहरी में आयोजित कुंजापुरी मेले में परफॉर्मेंस के बीच में मंच पर चढ़कर राज्य के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने पंजाबी गायक दलेर मेहंदी को फटकार लगाई। उन्होंने सिंगर पर शराब पीकर परफॉर्म करने का आरोप लगाया और उन्हें भरी पब्लिक के बीच काफी खरी-खोटी सुनाई। इस दौरान दलेर मेहंदी कुछ बोलने की कोशिश करते रहे और हाथ जोड़ते

दिखे लेकिन मंत्री उन्हें लगातार सुनाते ही रहे। जहां सिंगर के भाई मीका सिंह इस घटना के बाद सबसे पहले सामने आए और भाई को सपोर्ट किया वहीं अब धीरे-धीरे बहुत सारे कलाकार इस घटना पर रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। अब राजपाल यादव और अनुपम खेर ने भी एक वीडियो शेयर कर दलेर मेहंदी को सपोर्ट किया है और मंत्री जी को काफी कुछ सुनाया भी है।

बता दें कि नवरात्रि के मौके पर इस शो में इन्वाइट किए गए सिंगर दलेर मेहंदी को मंत्री सुबोध उनियाल ने मंच पर सबके बीच फटकार लगाई। मंत्री ने सिंगर से कहा, 'ठीक से बोला तो जा नहीं रहा, गाना क्या गाओगे?' उनियाल ने दलेर मेहंदी को इस मौके की धार्मिक पवित्रता की याद दिलाई और मर्यादा न रखने पर अपनी निराशा जताई। अब इस घटना पर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नाराजगी साफ नजर

आ रही है। राजपाल यादव ने वीडियो शेयर कर कहा, 'एक कला का विद्यार्थी होने के नाते मैं आप लोगों से एक बात शेयर करना चाहता हूँ कि जिस तरह एक सम्मानित मंत्री ने हजारों लोगों के सामने, एक ऐसे लीजेंड सिंगर जिसकी आवाज ने दशकों से देश-दुनिया में सबकी सेवा की है, ऐसी अशोभनीय निंदनीय शब्दों से व्यवहार कर रहे थे और मार-पिट्टाई का उदाहरण दे रहे थे।

बॉक्स ऑफिस पर 'रामायण' का महाधमाका!

रणबीर कपूर की 'रामायण' को भारत में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म की पहले दिन की एडवांस बुकिंग का कलेक्शन 4 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। मेकर्स ने दशहरा के मौके पर, 20 अक्टूबर 2026 को आधिकारिक तौर पर एडवांस बुकिंग शुरू कर दी थी। ट्रेड ट्रैकर 'सैकनिल्क' (Sacnilk) के अनुसार, इस पौराणिक फिल्म ने 5 नवंबर को होने वाली अपनी ओपनिंग के लिए एडवांस बुकिंग से 4.96 करोड़ रुपये की कमाई की है। अगर ब्लॉक की गई सीटों को हटा दें, तो यह कलेक्शन 3.13 करोड़ रुपये है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के बारे में आगे विस्तार से जानें।

भारत में 'रामायण' की पहले दिन की एडवांस बुकिंग 'सैकनिल्क' के मुताबिक, 'रामायण पार्ट 1' के लिए 5 नवंबर को होने वाली ओपनिंग के लिए 3,537 शोज में कुल 86,187 टिकट बिके हैं। फिल्म ने कुल 4.96 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें से ब्लॉक की गई सीटों को हटाने पर यह आंकड़ा 3.13 करोड़ रुपये बनता है। फिलहाल फिल्म की ऑक्यूपेंसी 11% है।

नेशनल कैपिटल रीजन (NCR) सबसे बड़ा मार्केट बनकर उभरा है, जिसने कुल एडवांस बुकिंग कलेक्शन में 1.45 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। दो भागों में बनी इस पौराणिक फिल्म का पहला हिस्सा 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है।

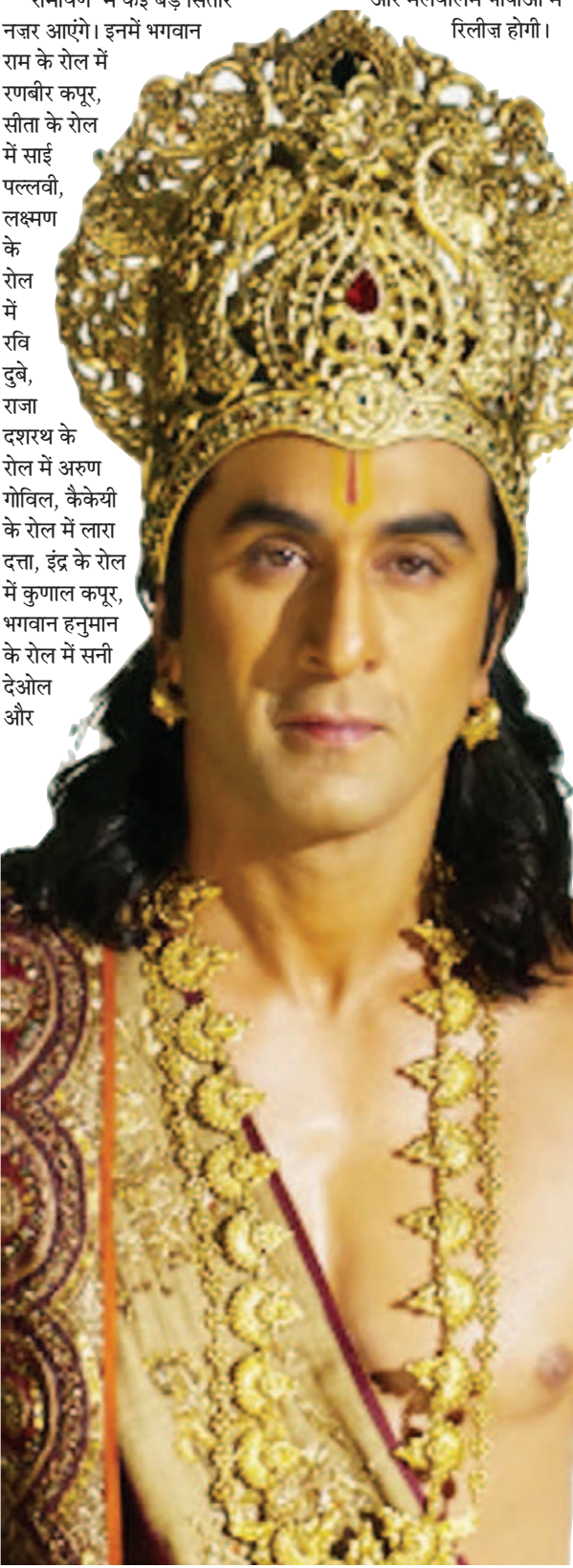
'रामायण' में कई बड़े सितारे नजर आएंगे। इनमें भगवान राम के रोल में रणबीर कपूर, सीता के रोल में साई पल्लवी, लक्ष्मण के रोल में रवि दुवे, राजा दशरथ के रोल में अरुण गोविल, कैकेयी के रोल में लारा दत्ता, इंद्र के रोल में कुणाल कपूर, भगवान हनुमान के रोल में सनी देओल और



शृपंगखा के रोल में रकुल प्रीत सिंह शामिल हैं।

'रामायण' का दूसरा गाना 'रावण तांडव' रिलीज हो गया है बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' के मेकर्स ने दशहरा के मौके पर, मंगलवार 20 अक्टूबर को फिल्म का दूसरा गाना 'रावण तांडव' रिलीज कर दिया है। इस नए गाने को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है और इसे अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने गाया है। इसके अलावा, 'रावण तांडव' में विशाल ददलानी ने भी अपनी आवाज दी है।

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित, 'रामायण: राइज ऑफ अ लेजेंड' को नमित मल्होत्रा के 'प्राइम फोकस स्टूडियोज' ने DNEG और यश के प्रोडक्शन बैनर 'मॉन्स्टर माईंड क्रिएशन्स' के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस महाकाव्य को दो भागों वाली फिल्म सीरीज के रूप में बनाया जा रहा है। भारत के बाहर इसके वैश्विक वितरण की जिम्मेदारी सोनी पिक्चर्स की है, जबकि हिंदी भाषी बाजार में इसकी रिलीज को धर्मा प्रोडक्शंस संभाल रहा है। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।



दीपिका और रणवीर सिंह की नन्हीं परी का नाम 'देवी पादुकोण सिंह'

दोनों ने दशहरे पर किया अपनी दूसरी लाडली के नाम का खुलासा

बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने दशहरे के खास मौके पर अपने फैस को एक बेहद प्यारा सरप्राइज दिया है। सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक और खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर शेयर करते हुए दीपिका ने अपनी दूसरी बेटी के नाम का आधिकारिक खुलासा किया। तस्वीर में रणवीर और दीपिका अपनी बड़ी बेटी दुआ पादुकोण सिंह को संभाले हुए हैं, जबकि नन्हीं दुआ अपनी छोटी बहन 'देवी' को बड़े प्यार से गोद में लिए नजर आ रही हैं। इस दिल छू लेने वाली तस्वीर के साथ दीपिका ने कैप्शन लिखा, प्यार और खुशियों से भरी... देवी पादुकोण सिंह।

देवी का जन्म सितंबर में हुआ था
दीपिका और रणवीर के घर 19 सितंबर 2026 को दूसरी बेटी, देवी पादुकोण सिंह का जन्म हुआ। अब दशहरा के मौके पर उन्होंने उसके नाम की घोषणा की है। इस घोषणा के जरिए फैस को उनके पूरे परिवार की एक झलक भी देखने को मिली।
उनकी पहली बेटी दुआ का जन्म कब हुआ था ?
दीपिका और रणवीर की पहली बेटी, दुआ पादुकोण सिंह का जन्म 8 सितंबर 2024 को हुआ था। इस कपल ने सोशल मीडिया पर उसके जन्म की जानकारी दी थी और बाद में फैस के साथ उसका नाम भी साझा किया था। देवी के आने के बाद, अब ये दोनों कलाकार दो बेटियों के माता-पिता बन गए हैं।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की लव स्टोरी
दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह का रिश्ता 2012 में शुरू हुआ था। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' (2013) में काम करने के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए। पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही, जबकि पर्दे के पीछे उनका रिश्ता समय के साथ और गहरा होता गया। बाद में रणवीर ने बताया कि उन्होंने 2015 में मालदीव में छुट्टियों

के दौरान दीपिका को प्रपोज किया था। इस कपल ने अपनी सगाई को तीन साल तक निजी रखा और फिर 2018 में अपनी शादी की घोषणा की।
दीपिका और रणवीर की शादी कब हुई थी ?
दीपिका और रणवीर ने 14 और 15 नवंबर 2018 को इटली के लेक कोमो में शादी की। उनकी शादी के जश्न में दो तरह के समारोह शामिल थे—एक दीपिका की कॉकणी परंपरा के अनुसार और दूसरा रणवीर की सिंधी परंपरा के अनुसार। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं, जिससे यह उस साल की बॉलीवुड की सबसे चर्चित सेलिब्रिटी शादियों में से एक बन गई।
दीपिका और रणवीर की एक साथ की गई फिल्में
इस जोड़े ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया है, जिनमें 'गोलियों की रासलीला राम-लीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' शामिल हैं—इन सभी का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया था। वे फिल्म '83' में भी एक साथ नजर आए, जिसमें रणवीर ने क्रिकेटर कपिल देव की भूमिका निभाई और दीपिका ने उनकी पत्नी रोमी देव का किरदार निभाया। इसके अलावा, वे 'फाईडिंग फ़ैनी', 'सर्कस' और 'सिंघम अगेन' जैसी फिल्मों में भी एक साथ स्क्रीन पर दिखाई दिए हैं।



जेलर 2' में दिखे रजनीकांत के पोते 13 साल की उम्र में चलाते हैं अपनी कंपनी

चाइल्ड आर्टिस्ट ऋत्विक् ज्योति राज ने कहा- बोरियत होने लगी, शुरू किया काम



इन दिनों सिनेमाघरों में रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' ने बवाल मचा रखा है और जमकर कमाई कर रही है। फिल्म की बम्पर कमाई के साथ ही इसमें नजर आनेवाले एक्टर्स खूब सुर्खियों में हैं। इनमें से ही एक नाम है 13 साल के चाइल्ड आर्टिस्ट ऋत्विक् ज्योति राज का है, जिन्होंने अपने बारे में एक ऐसा खुलासा किया है सुनने वाले दंग रह जाएंगे। 'जेलर 2' में रजनीकांत के पोते का किरदार निभाने वाले छोटे से एक्टर एक कंपनी के मालिक हैं। मजेदार ये है कि जिस उम्र में बच्चे वीडियो गेम खेलकर और फोन में वक्त खराब करते हैं, वहीं 13 साल के ऋत्विक् ज्योति राज ने ये कंपनी खुद ही बनाई है।

ऋत्विक् ज्योति के हालिया इंटरव्यू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कोडिंग, रोबोटिक्स और बिजनेस शुरू करने में अपनी रुचि के बारे में बात कर रहे हैं। ऋत्विक् ज्योति राज सिनेमा के साथ-साथ तकनीक की भी दुनिया में हाथ आजमा रहे हैं। ऋत्विक् ने फिल्म में अपने किरदार से सबका ध्यान खींच लिया है। डिजिटल कंटेंट क्रिएटर भी हैं ऋत्विक् 'जेलर 2' एक्टर ऋत्विक् ने अपने एक इंटरव्यू में बताया है कि वीडियो कॉल के दौरान बोर होने पर उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक

कंपनी शुरू की है। उनकी ये बातें सुनकर लोग काफी हैरान हैं। कोयंबटूर के ये चाइल्ड आर्टिस्ट ऋत्विक् ज्योति राज एक कलाकार होने के साथ-साथ डिजिटल कंटेंट क्रिएटर भी हैं। उन्होंने अपने उन वीडियो से पहले ही लोगों का ध्यान खींचा है जिनमें उन्होंने कई अलग-अलग किरदार निभाए थे। 'ओ2', 'सरदार' और 'लकी भास्कर' जैसी साउथ फिल्मों में किया काम ऑनलाइन मीडियम में ढलने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्मों में कदम रखा और वे 'ओ2', 'सरदार' और 'लकी भास्कर' जैसी साउथ फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि, सबसे अधिक पॉप्युलैरिटी उन्हें 2023 में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'जेलर' में रजनीकांत के पोते की भूमिका से मिली है। अब हाल ही में रिलीज हुई नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 'जेलर 2' में भी उन्होंने वही भूमिका निभाई। अब ऋत्विक् ने अपने उस टैलेंट के बारे में बताया है जिसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।
वेबसाइट डेवलपमेंट को आजमाने का फैसला किया
उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि वीडियो कॉल पर बातचीत करते हुए उन्हें और उनके दोस्तों को बोरियत होने लगी थी। इसी वजह से उन्होंने कुछ करने का फैसला किया और उन्हें एक वेबसाइट बनाने का विचार आया। इस बारे में बातें करते हुए ऋत्विक् ने बताया उनके ग्रुप को कोडिंग

रजनीकांत के पोते का किरदार निभाने वाले यंग एक्टर ऋत्विक् ज्योति राज 'जेलर 2' में अपनी भूमिका के बाद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस छोटे से कलाकार ने अपने हालिया इंटरव्यू में बताया कि फिल्मों के साथ-साथ वो अपनी एक कंपनी भी चलाते हैं।



के बारे में थोड़ी-बहुत जानकारी थी और इसी वजह से उन्होंने वेबसाइट डेवलपमेंट को आजमाने का फैसला किया। पहले ये केवल विचार के रूप में शुरू हुआ था जो धीरे-धीरे एक छोटे बिजनेस में बदल गया।



एक नज़र

स्टीव स्मिथ ने टेस्ट में 11 हजारी बनकर किया कमाल, राहुल द्रविड़ को पछाड़़ा; सचिन तेंदुलकर बच गए

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच गकेबरहा के मैदान पर दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। बुधवार को मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया की हालत खस्त हो गई और उसे फॉलोऑन के लिए मजबूर होना पड़ा। मेजबान साउथ अफ्रीका के 425/9 के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 42.3 ओवर में 99 रनों पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका ने 326 रनों की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने पहली पारी में 88 गेंदों का सामना करने के बाद 28 रन जोड़े, जिसमें दो चौके शामिल हैं। उन्हें वियान मुल्डर ने 41वें ओवर में बोल्ड किया। 37 वर्षीय स्मिथ ने अपनी पारी में 28वां रन बनाते ही टेस्ट क्रिकेट में 11 हजार रन कंप्लीट किए और कमाल कर दिया। वह टेस्ट इतिहास में 11 हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे और कुल 12वें क्रिकेटर हैं। स्मिथ गकेबरहा में करियर का 127वां टेस्ट खेल रहे हैं। स्टीव स्मिथ टेस्ट में पारियों के लिहाज से सबसे तेज 11000 टेस्ट रन कंप्लीट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में पांचवें पादावन पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 226 पारियों में यह आंकड़ा छुआ। स्मिथ ने भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और साउथ अफ्रीका के पूर्व धाकड़ ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पछाड़़ा है। दोनों 234 पारियों में 11 हजारी बने थे। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर लिस्ट में पीछे छूटने से बच गए। सचिन ने 223 पारियों में यह कारनामा अंजाम दिया था। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर कुमार संगकारा फेहरिस्त में शीर्ष पर काबिज हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज लारा 213 जबकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोटिंग 222 पारियों में 11 हजारी बने थे। पारियों के लिहाज से सबसे तेज 11000 टेस्ट रन 208 – कुमार संगकारा (श्रीलंका) 213 – ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज) 222 – रिकी पोटिंग (ऑस्ट्रेलिया) 223 – सचिन तेंदुलकर (भारत) 226 – स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया) 234 – राहुल द्रविड़ (भारत) 234 – जैक्स कैलिस (साउथ अफ्रीका) 237 – महेला जयवर्धने (श्रीलंका) 238 – जो रूट (इंग्लैंड) 252 – एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड) 256 – शिवनारायण चंद्रपौल (वेस्टइंडीज) 259 – एलन बॉर्डर (ऑस्ट्रेलिया) टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर (मैचों की संख्या) 15921 – सचिन तेंदुलकर (200) 14278 – जो रूट (169) 13378 – रिकी पोटिंग (168) 13289 – जैक्स कैलिस (166) 13288 – राहुल द्रविड़ (164) 12472 – एलेस्टेयर कुक (161) 12400 – कुमार संगकारा (134) 11953 – ब्रायन लारा (131) 11867 – शिवनारायण चंद्रपौल (164) 11814 – महेला जयवर्धने (149) 11174 – एलन बॉर्डर (156) 11000 – स्टीव स्मिथ (127)

आईसीसी ने किया अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के शेड्यूल का ऐलान, वेस्टइंडीज से भारत की पहली मिड्रैं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम घोषित किया, जो 21 जनवरी से छह फरवरी तक बांग्लादेश और नेपाल में खेला जाएगा। भारत, आईसीसी अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने के अभियान की शुरुआत 22 जनवरी को काठमांडू में वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। रूप चरण 26 जनवरी तक चलेगा। इसके बाद सुपर सिक्स शुरु होगा। दोनों सेमीफाइनल चार फरवरी को चटगांव में खेले जाएंगे। फाइनल भी छह फरवरी को चटग्राम में ही होगा। इस प्रतियोगिता में 16 टीम भाग लेंगी जिन्हें चार–चार टीम के चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रतियोगिता के मैच चट्टोग्राम, सिलहट और काठमांडू में खेले जाएंगे। दो बार के चैंपियन भारत को सह–मेजबान नेपाल, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रूप ए में रखा गया है। बांग्लादेश और यूएई 21 जनवरी को टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच खेलेंगे, जबकि इसी दिन सिलहट में ऑस्ट्रेलिया का सामना नाइजीरिया से होगा। भारत का पहला मुकाबला वेस्टइंडीज से 22 जनवरी को खेला जाएगा। इसके बाद नेपाल से टीम 24 जनवरी को भिड़ेगा। भारत का तीसरा ग्रुप लीग मुकाबला 26 जनवरी को आयरलैंड से है। काठमांडू में श्रीलंका का मुकाबला मूलपानी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर स्कॉटलैंड से होगा, जिसके बाद इंग्लैंड का सामना अमेरिका से होगा। नेपाल की टीम अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड के खिलाफ 22 जनवरी को करेगा। न्यूजीलैंड का सामना समोआ से होगा और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला पाकिस्तान से होगा, ये दोनों मैच उसी दिन चटगांव में खेले जाएंगे।

नमन धीर की इस खूबी ने जीता कप्तान श्रेयस अय्यर का दिल, रिकॉर्ड जीत के बाद बोले- जिस तरह बल्लेबाजी की

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को ऑलराउंडर नमन धीर की सराहना करते हुए कहा कि दबाव की परिस्थितियों में उनका शांत और संयमित स्वभाव टीम के लिए काफी अहम है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 226 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का अब तक का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड है। संजू सैमसन की 67

रन की तूफानी पारी के बाद अय्यर और नमन धीर ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। अय्यर ने 28 गेंदों पर 42 रन बनाए, जबकि नमन ने महज 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी के साथ भारत की जीत सुनिश्चित की। पिछले महीने भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने वाले नमन की तारीफ करते हुए अय्यर ने कहा, वह खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 226 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का अब तक का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड है। संजू सैमसन की 67

व्यक्तिगत रूप से उनका शांत और संयमित स्वभाव बेहद पसंद आया। जिस तरह उन्होंने आज बल्लेबाजी की, वह देखना शानदार था। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में हालांकि नमन को गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। अय्यर ने माना कि मैच आगे बढ़ने के साथ पिच बल्लेबाजी के लिए अधिक अनुकूल होती गई। उन्होंने कहा, जब हमने गेंदबाजी शुरू की, तो मुझे लगा कि पिच थोड़ी धीमी है और गेंद रुककर आ रही है। हमें बल्लेबाजों के लिए मुश्किल लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, लेकिन कुछ गेंदें सही जगह टप्पा

नहीं खाई। उन्होंने कहा, जैसे–जैसे खेल आगे बढ़ा, ओस आने लगी और पिच बल्लेबाजी के लिए सपाट होती गई। गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आने लगी, जिससे न्यूजीलैंड को लय हासिल करने और 220 रन तक पहुंचने में मदद मिली।फ़ भारत ने पावरप्ले के छह ओवर में एक विकेट पर 94 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए मजबूत शुरुआत की। अय्यर ने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, आपको उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें किस तरह बल्लेबाजी करनी है। वे अच्छी तरह जानते हैं

कि उन्हें क्या करना है। जब वे लय में आ जाते हैं, तो उसी गति को आगे बढ़ाते रहते हैं। आज का मुकाबला इसका बेहतरीन उदाहरण था। न्यूजीलैंड के कप्तान मिवेल सैंटनर ने भारतीय सलामी बल्लेबाजों की आक्रामक शुरुआत को स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी टीम आगामी मुकाबलों में पावरप्ले के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेगी। सैंटनर ने कहा, एक बार फिर उन्होंने पावरप्ले में काफी रन बनाए। हम शायद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे। हमें कुछ चीजों में सुधार करना होगा।

केरल-मुंबई और पंजाब ने हासिल की बड़ी जीत, मेघालय ने रोमांचक मुकाबले में मारी बाजी

नई दिल्ली। अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर फॉलोऑन खेल रहे ओडिशा को 143 रन पर समेट दिया जिससे केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में पारी और 36 रन से जीत दर्ज की। इस जीत से केरल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। बंगाल लगातार दूसरी जीत के साथ शीर्ष पर है और उसके खते में 12 अंक हैं। पहले दौर के बाद शीर्ष पर काबिज गुजरात अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया। केरल और गुजरात दोनों के आठ–आठ अंक हैं। पुणे में महाराष्ट्र ने झारखंड के खिलाफ ड्रॉ मैच से पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। मुलापाडु में खेले गए मैच में तनय त्यागराजन ने दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी की, जिससे हैदराबाद ने आंध्र को 267 रनों से हरा दिया। पहली पारी में 5 विकेट लेने और दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ने वाले त्यागराजन ने, हैदराबाद की दूसरी गेंदबाजी पारी में 6 विकेट चटकाए। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने आंध्र की टीम 398 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 130 रनों पर सिमट गई। तिरुवनंतपुरम में जलज सक्सेना ने 5 विकेट लिए, जिससे केरल ने ओडिशा को एक पारी और 36 रनों से हरा दिया। फॉलो–ऑन खेलते हुए, ओडिशा ने चौथे दिन की शुरुआत 4 विकेट पर 102 रनों से की, लेकिन पूरी टीम 143 रनों पर ऑलआउट हो गई। बिलासपुर में मोहित अवस्थी ने 5 विकेट लेकर मुंबई को हिमाचल प्रदेश के



खिलाफ एक बड़ी जीत दिलाई। फॉलो–ऑन खेलते हुए, दिन की शुरुआत में हिमाचल का स्कोर 3 विकेट पर 144 रन था, और अंत में टीम 291 रनों पर सिमट गई। वैभव कल्टा और पुखराज मान ने अर्धशतक लगाकर मुंबई को रोकने की कोशिश की, लेकिन अवस्थी ने मुंबई को एक पारी और 97 रनों से जीत दिला दी। न्यू चंडीगढ़ में आयुष पांडे के संघर्षपूर्ण शतक के बावजूद अर्धशतक जड़ने वाले त्यागराजन ने, हैदराबाद की दूसरी गेंदबाजी पारी में 6 विकेट चटकाए। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने आंध्र की टीम 398 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 130 रनों पर सिमट गई। तिरुवनंतपुरम में जलज सक्सेना ने 5 विकेट लिए, जिससे केरल ने ओडिशा को एक पारी और 36 रनों से हरा दिया। फॉलो–ऑन मिलने के बाद, छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 123 रनों से की। पांडे के 111 रनों और निचले क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत टीम 335 रनों तक पहुंची। पंजाब को जीत के लिए सिर्फ 86 रनों की जरूरत थी और उन्होंने 16.5 ओवर में ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान उदय सहारन 40 रन बनाकर नाबाद रहे। शिलांग में खेले गए रणजी ट्रॉफी प्लेट

रूप मैच में मेघालय ने दबाव के बावजूद मणिपुर के खिलाफ 3 रनों से जीत दर्ज की। जीत के लिए 276 रनों का पीछा करते हुए मणिपुर की पूरी टीम 272 रनों पर सिमट गई। मेघालय की ओर से अभिषेक कुमार (3–64), केविन क्रिस्टोफर (3–31) और आर्यन बोरा (2–59) ने शानदार गेंदबाजी की। मणिपुर के लिए करनाजीत युगनाम और रेक्स राजकुमार ने अर्धशतक लगाए, लेकिन टीम जीत के बेहद करीब पड़ा, जहां पंजाब ने उन्हें 7 विकेट से हरा दिया। फॉलो–ऑन मिलने के बाद, छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 127 रनों के साथ–साथ उत्कर्ष सिंह (139 गेंदों में 58 रन), आदित्य सिंह (159 गेंदों में 50 रन) और विराट सिंह (135 गेंदों में 41 रन) की संघर्षपूर्ण पारियों की बदौलत झारखंड ने पुर्ण में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच ड्रॉ करया। झारखंड ने अपनी दूसरी पारी में 130/1 के स्कोर से दिन की शुरुआत की, उस समय वे महाराष्ट्र से 228 रन पीछे थे। महाराष्ट्र ने विकेट लेने की कोशिश की, लेकिन झारखंड के बल्लेबाजों ने खेल खत्म होने तक

केरल-मुंबई और पंजाब ने हासिल की बड़ी जीत, मेघालय ने रोमांचक मुकाबले में मारी बाजी

तिरुवनंतपुरम। अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर फॉलोऑन खेल रहे ओडिशा को 143 रन पर समेट दिया जिससे केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में पारी और 36 रन से जीत दर्ज की। इस जीत से केरल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। बंगाल लगातार दूसरी जीत के साथ शीर्ष पर है और उसके खते में 12 अंक हैं। पहले दौर के बाद शीर्ष पर काबिज गुजरात अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गया। केरल और गुजरात दोनों के आठ–आठ अंक हैं। पुणे में महाराष्ट्र ने झारखंड के खिलाफ ड्रॉ मैच से पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। मुलापाडु में खेले गए मैच में तनय त्यागराजन ने दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी की, जिससे हैदराबाद ने आंध्र को 267 रनों से हरा दिया। पहली पारी में 5 विकेट लेने और दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ने वाले त्यागराजन ने, हैदराबाद की दूसरी गेंदबाजी पारी में 6 विकेट चटकाए। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने आंध्र की टीम 398 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 130 रनों पर सिमट गई। तिरुवनंतपुरम में जलज सक्सेना ने 5 विकेट लिए, जिससे केरल ने ओडिशा को एक पारी और 36 रनों से हरा दिया। फॉलो–ऑन खेलते हुए, ओडिशा ने चौथे दिन की शुरुआत 4 विकेट पर 102 रनों से की, लेकिन पूरी टीम 143 रनों पर ऑलआउट हो गई। बिलासपुर में मोहित अवस्थी ने 5 विकेट लेकर मुंबई को हिमाचल प्रदेश के

हैदराबाद की दूसरी गेंदबाजी पारी में 6 विकेट चटकाए। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने आंध्र की टीम 398 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 130 रनों पर सिमट गई। तिरुवनंतपुरम में जलज सक्सेना ने 5 विकेट लिए, जिससे केरल ने ओडिशा को एक पारी और 36 रनों से हरा दिया। फॉलो–ऑन खेलते हुए, ओडिशा ने चौथे दिन की शुरुआत 4 विकेट पर 102 रनों से की, लेकिन पूरी टीम 143 रनों पर ऑलआउट हो गई। बिलासपुर में मोहित अवस्थी ने 5 विकेट लेकर मुंबई को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ एक बड़ी जीत दिलाई। फॉलो–ऑन खेलते हुए, दिन की शुरुआत में हिमाचल का स्कोर 3 विकेट पर 144 रन था, और अंत में टीम 291 रनों पर सिमट गई। वैभव कल्टा और पुखराज मान ने अर्धशतक लगाकर मुंबई को रोकने की कोशिश की, लेकिन अवस्थी ने 44 रन देकर 5 विकेट झटके और मुंबई को एक पारी और 97 रनों से जीत दिला दी।

हाईस्कोरिंग मुकाबले में कौन बना प्लेयर ऑफ द मैच सबसे ज्यादा रन बनाकर भी फिलिप्स रह गए पीछे

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के दौरे का शानदार आगाज किया है। क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया और सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने दमदार पारी खेलते हुए 82 रन बनाए, वहीं भारत की ओर से संजू सैमसन का बल्ल़ा गरजा, उन्होंने 67 रन की पारी खेली। इन दोनों पारियों ने मैच का रुख बदला। न्यूजीलैंड ने पहले टी20 मैच में बल्लेबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 225 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने आखिरी ओवर तक चले मुकाबले में दो गेंद रहते मैच अपने नाम किया। भारत की टी20 इंटरनेशनल में ये सबसे सफल रन चेज रही है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले



टी20 मैच में 33 गेंद में 67 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर भारत को 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए धमाकेदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 35 गेंद में 93 रन की साझेदारी हुई। सैमसन के

अलावा न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने भी अपनी टीम के लिए दमदार पारी खेली। उन्होंने 40 गेंद में 8 चौके और तीन छक्के की मदद से 82 रन की पारी खेली। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 226 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का

पावरप्ले में ही मैच खत्म कर दें, न्यूजीलैंड को रौंदकर संजू सैमसन ने दिया दनदनाता बयान

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने गुरुवार को कहा कि तीन बार की विश्व चैंपियन टीम ने पावरप्ले में ही मैच को विरोधी टीम की पहुंच से दूर करने पर जोर दिया है और मौका मिलने पर वह ऐसा करने की कोशिश करती है। सैमसन ने 33 गेंद में आठ चौकों और चार छकों की मदद से 67 रन की तूफानी पारी खेली जिससे भारत ने यहां पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज के शुरुआती मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। सैमसन ने शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी की जिससे भारत ने 226 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही 93 रन जोड़ दिए। भारत ने 19.4

ओवर में छह विकेट पर 230 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। यह पूछे जाने पर कि अगर टारगेट छोटा होता तो क्या भारत की बल्लेबाजी की रणनीति अलग होती, सैमसन ने संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं लगता कि हम कुछ अलग तरीके से खेलते लेकिन मेरा मानना है कि खेल के अलग–अलग चरण होते हैं।

उन्होंने कहा, जब पावरप्ले में अच्छी शुरुआत मिलती है तो आपको रणनीति अलग होती है। हम इसे अलग–अलग तरह से देखते हैं। पावरप्ले अलग है, बीच के ओवर अलग हैं और आखिरी ओवरों का चरण अलग है। प्लेयर

ऑफ द मैच चुने गए सैमसन ने कहा, इसलिए अगर आप 170 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं और आपको तूफानी शुरुआत मिल जाती है तो हम सुनिश्चित करते हैं कि पावरप्ले में ही मैच खत्म कर दें। पिछले कुछ वर्षों में हम यही बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह हमारी मानसिकता है जिसे हम लगातार दिया रहे हैं। ऐसा सिर्फ मैं और अभि (अभिषेक शर्मा) ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि भारतीय टीम के लिए खेलने वाला हर खिलाड़ी इसी शैली को अपना रहा है। सैमसन ने कहा, 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद से हम इसी अंदाज में खेल रहे हैं।

भारत ने 230 रन बनाकर रचा इतिहास, न्यूजीलैंड को हराकर टी20 में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया

नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 मैच में 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने टी20 इंटरनेशनल में अपना सबसे सफल रन चेज करते हुए इतिहास रच दिया है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 225 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने संजू सैमसन के अर्धशतक, श्रेयस अय्यर और नमन धीर की दमदार पारियों की बदौलत दो गेंद शेष रहते अपना सबसे सफल रन चेज हासिल कर लिया। भारत ने 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 230 रन बनाए। भारत को आखिरी ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। नमन धीर ने पहली गेंद पर चौका जड़ा और फिर चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारतीय टीम ने गुरुवार को टी20 इंटरनेशनल के इतिहास का अपना सबसे सफल रन चेज हासिल किया। टीम ने न्यूजीलैंड द्वारा मिले 226 रनों के लक्ष्य को आखिरी ओवर में सफलतापूर्वक चेज कर लिया। इससे पहले भारतीय टीम का सबसे सफल रन चेज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आया था, जहां पर भारत ने 2023 में 209 रनों के लक्ष्य को पाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 2026 में रायपुर में भारत ने 209 का लक्ष्य हासिल किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में 208 रन और श्रीलंका के खिलाफ 2009 में 207 रन। जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ आलकैंड में 2020 में 204 रन हासिल किए थे। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की शुरुआती ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी के बाद आखिरी ओवरों में नमन धीर की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी। भारत ने सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली। पहले फिन एलेन और ग्लेन फिलिप्स की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने चार विकेट पर 225 रन बनाए।